RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

साझा करें अपने मित्रों से

वर्ष- 13, अंक - 164 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शनिवार 2 अप्रैल 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

पाटन में देश के पहले ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट का शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने किया ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट और हमर लैब का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। देश के पहले ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट का शुभारंभ पाटन में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने किया। इस मौके पर उन्होंने हमर लैब का भी उद्घाटन किया। यहां पर 54 प्रकार के टेस्ट हो सकेंगे। ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट देश का पहला यूनिट है इसी तरह के 3000 अन्य यूनिट निकट भविष्य में देश में आरंभ होंगे। इन यूनिट के माध्यम से बीमारियों के सर्विलिएन्स में काफी आसानी होगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पाटन में देश का पहला पब्लिक हेल्थ यूनिट स्थापित हुआ है। यह हम सब के लिए गौरव की बात है। इसके साथ ही यहां पर अपडेटेड लैब का निर्माण किया गया है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर लैब के इंस्ट्रूमेंट भी देखें। उन्हें यहां सीएमएचओ डॉ मेश्राम और बीएमओ डॉ आशीष शर्मा ने विस्तार से लैब के में होने वाले लाभों के संबंध में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीमारियों के सरविलियंस में यह संस्थान काफी उपयोगी साबित होगा। इसके साथ ही पाटन के लोगों को टेस्ट कराने में काफी सुविधा होगी। इससे यहां इंफ्रास्ट्रक्चर को इंप्रूव करने में काफी मदद मिलेगी। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री श्री टीएस सिंहदेव भी उपस्थित थे।

उन्होंने भी लैब का अवलोकन किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि प्रदेश में तेजी से बढ़ती हुई स्वास्थ्य अधोसंरचना से नागरिकों को बड़ी राहत मिल रही है। इस मौके पर कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे एसएसपी बद्री नारायण मीणा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। लोकार्पण के मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र कश्यप एवं उपाध्यक्ष भोले भी उपस्थित थे।

खास-खबर

चैत्र नवरात्रि पर आज से 9 दिनों तक होगी मां दुर्गा की आराधना

भिलाई। आज से चैत्र नवरात्रि शुरू हो रहे हैं। चैत्र माह की शुक्ल प्रतिपदा तिथि पर कलश स्थापना करके देवी दुर्गा की आराधना 9 दिनों तक की जाएगी। इस बार चैत्र नवरात्रि का त्योहार पूरे 9 दिनों का है। मां दुर्गा का पृथ्वी पर आगमन घोड़े पर हुआ है। हिंदू धर्म में नवरात्रि के त्योहार को बहुत ही पवित्र और शुभ फल देने वाला माना गया है। चैत्र नवरात्रि के साथ आज से नया हिंदू विक्रम संवत 2079 भी शुरू हो गया है। चैत्र नवरात्रि पर महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा भी बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है।

आज से नौ दिनों तक देवी दुर्गा की उपासना की जाएगी। घर-घर में मां स्वयं विराजमान है। ऐसे में मां को प्रसन्न करने के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को देवी दुर्गा की विधि पूजा-पाठ और आराधना की जाएगी। पूजा-पाठ के अलावा मां का आशीर्वाद पाने के लिए दुर्गा सप्तशती और दुर्गा चालीसा का पाठ अवश्य ही करना चाहिए। अगर किसी कारणवश दुर्गा सप्तशती और दुर्गा चालीसा का पाठ नहीं कर सकते तो कम से कम 'ओम ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चे' की एक माला हर रोज अवश्य करें।

29 हजार घंटे हो गए छत्तीसगढ़ में भूपेश की सरकार बने, रमन ने कहा- शराबबंदी हुई न बेरोजगारी भत्ता मिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कांग्रेस के नेता कहते हैं कि वह 2 घंटे में वादे पूरे कर देंगे। छत्तीसगढ़ में सरकार बने 29 हजार 829 घंटे से भी अधिक का समय बीत चुका है। प्रदेश के 97 बेरोजगार पूछ रहे हैं कि उनका बेरोजगारी भत्ता कहां है। महिलाएं पूछ रहीं हैं कि सरकार बनें 3 साल हो गए और शराबबंदी अब तक क्यों नहीं हुई है। अब 2 घंटे का फार्मूला कहां से निकाल रहे हो मेरे भाई...। उक्त बातें पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार से पूछा है।

खैरागढ़ उप चुनाव में कांग्रेस द्वारा घोषणा पत्र जारी किए जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने भूपेश बघेल सरकार पर हमला बोला। एकात्म परिसर में डॉ. रमन ने कहा कि देश के इतिहास में यह पहली बार होगा कि उप चुनाव के लिए मुख्यमंत्री घोषणा पत्र जारी कर रहे हैं। खैरागढ़ उप चुनाव के लिए 29 बिंदुओं का घोषणा पत्र जारी किया है। डॉ. रमन सिंह ने दावा करते हुए कहा कि मैं 15 साल छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री रहा हूं। खैरागढ़ में सिर्फ भाजपा ने ही विकास किया। भूपेश बघेल अपनी डायरी में यदि एक से लेकर सौ तक कामों का जिक्र करेगी तो उसमें से 99 काम बीजेपी के किए होंगे। कांग्रेस ने बीते 3 साल में खैरागढ़ में कुछ भी नहीं किया है। दरअसल, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि जीत के 24 घंटे के भीतर खैरागढ़ को ज़िला बनाएंगे।

सोशल मीडिया में फिल्म पुष्पा स्टाइल में घेरा

इससे पहले सोशल मीडिया में सीएम भूपेश ने कहा था कि डॉक्टर साहब! आप शायद भूल रहे हैं कि ये नवा छत्तीसगढ़ है जो झुकेगा नहीं... रुकेगा नहीं। यहां 2 घंटे में किसानों का कर्ज माफ होता है। आदिवासियों की जमीन वापस होती है। फिर 24 घंटे तो बहुत हैं... आप बस देखते जाएं... जिला भी बनेगा और बनकर रहेगा। सीएम भूपेश का जवाब देते हुए डॉ. रमन ने कहा कि भूपेश बघेल जी छत्तीसगढ़ न कभी झुका था, न कभी झुकेगा लेकिन कांग्रेस जरूर झुकेगी भी और हारेगी भी। पुष्पा फिल्म के डॉयलाग की तरह सीएम व पूर्व सीएम में ट्वीटर में सियासी जंग भी हुई है।

पहले का वादा अब तक पूरा नहीं हो पाया है

डॉ. रमन सिंह ने कहा कि खैरागढ़ की जनता को लुभाने का एक तरीका कांग्रेस ने खोज निकाला है। कांग्रेस ने पिछले विधानसभा चुनाव में 36 बिंदुओं का घोषणापत्र जारी किया था, जो अब तक पूरा नहीं हुआ है। अब 29 बिंदु के साथ खैरागढ़ के उपचुनाव में नया घोषणा पत्र जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी मुद्दे वहां के विधायक रहे चुके स्व. देवव्रत सिंह उठाते रहे, लेकिन कोई काम नहीं हुआ। डॉ. रमन ने कहा कि कांग्रेस के प्रत्याशी को 12 दिन निकल जाएंगे परिचय करवाने में ही, लेकिन हमारे प्रत्याशी को सभी जानते हैं। भाजपा खैरागढ़ विधानसभा चुनाव में मार्जिन से जीत हासिल करेगी।

युद्ध रोकने के पक्ष में नहीं अमेरिका: रूस को पीछे धकेलने के लिए बनाया प्लान, यूक्रेन को करेगा सोवियत निर्मित टैंकों की सप्लाई

वाशिंगटन (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग लगातार 38वें दिन भी जारी है। दोनों में से कोई देश एक दूसरे के सामने झुकने के लिए तैयार नहीं है। भारी तबाही के बावजूद यूक्रेन रूस के सामने हथियार डालने के मूड में नजर नहीं आ रहा। इन सबके बीच अमेरिका ने जो घोषणा की है उससे तो अब यह बात साफ हो गई है कि युद्ध अभी थमने वाला नहीं है। दरअसल, समाचारपत्र न्यूयॉर्क टाइम्स ने शुक्रवार को एक अमेरिकी अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि डोनबास क्षेत्र में अपने बचाव को मजबूत करने के लिए अमेरिका, यूक्रेन को

सोवियत निर्मित टैंकों की सप्लाई करेगा और इसके लिए वह सहयोगियों के साथ मिलकर काम करेगा। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, अमेरिका यूक्रेन को इन टैंकों की सप्लाई जल्द ही शुरू करेगा। हालांकि, अधिकारी ने यह बताने से इनकार कर दिया कि कितने टैंक भेजे जाएंगे या वे किन देशों से आएंगे।

इस युद्ध में पहली बार जब अमेरिका टैंक सप्लाई करने में मदद कर रहा

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार पेंटागन ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। व्हाइट हाउस ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। यह युद्ध में पहली बार है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने टैंकों को स्थानांतरित करने में मदद की है। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि टैंक यूक्रेन को रूस की सीमा से लगे दक्षिणपूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में रूसी ठिकानों पर लंबी दूरी तक हमले करने की अनुमति देगा।

केमिकल अटैक कर सकता है रूस: अमेरिका

अमेरिकी खुफिया एजेंसी का दावा है कि यूक्रेन पर रूस केमिकल अटैक कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसे में अमेरिका यूक्रेन को भी केमिकल हथियार मुहैया करा सकता है। इसके अलावा अमेरिका की ओर से यूक्रेन को सैन्य मदद के लिए 300 मिलियन डॉलर देने का वादा किया गया है।

आयोलाल-झुलेलाल

चेट्री चंद्र पर्व पर निकली बाईक रैली

भिलाई। चैत्र माह के चंद्र दर्शन से संबंधित महान पर्व चेट्रीचंद्र जलदेवता झूलेलाल जी की जयंती के रूप में 2 अप्रैल को मनाया गया। जिसके प्रारंभिक कार्यक्रम और दस्तूर प्रारंभ हो चुके हैं । शहर का संपूर्ण सिंध समाज उत्साह पूर्वक महापर्व मनाने में लगा हुआ है। सर्वाधिक उत्साह बच्चों तथा महिलाओं में दिखाई दे रहा है। एक अप्रैल की सुबह 5 :00 बजे से समाज के सदस्यों की प्रभात फ़ेरी झूलेलाल जी के भजन गाते हुए शहर भ्रमण पर निकली। वहीं आज सिंध समाज द्वारा शहर में बाईक रैली भी निकाली गई। महिलाओं एवं बच्चों द्वारा तालाब में पल रही मछलियों को प्रेम पूर्वक दाने खिलाए गए। इस त्यौहार में इसका भी महत्व है क्योंकि झूलेलाल जी जल के देवता हैं और मछलियों का निवास जलदेवता के ही संरक्षण में होता है। उन्हें दाने खिलाना बहुत ही पुण्य का काम माना जाता है।

पड़ोसी देश के दर्द पर भारत का मरहम: श्रीलंका के लिए रवाना किया 40000 टन चावल, खाने का संकट जल्द होगा दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देश श्रीलंका पिछले कुछ समय से महंगाई और गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार लगभग समाप्त हो जाने और कई देशों के कर्ज से दबे पड़ोसी देश के ऊपर दिवालिया होने का संकट उत्पन्न हो गया है। श्रीलंका को इस संकट से उबारने के लिए कई देश आगे आए हैं लेकिन भारत अधिक भूमिका निभा रहा है। इसमें सबसे भूखमरी को खत्म करने के लिए भारत ने श्रीलंका के लिए 40000 टन चावल का सप्लाई किया है। सबसे राहत की बात ये है कि चावल की सप्लाई श्रीलंका में एक प्रमुख त्योहार से पहले की जा रही है। उम्मीद है कि भारत द्वारा की गई इस मदद से श्रीलंका को कुछ राहत मिलेगी।

श्रीलंका में महंगाई चरम पर

पेट्रोल पंप पर फ्यूल के लिए दो-दो किलोमीटर लंबी लाइनें लग रहीं। खाने की चीजें इतनी महंगी हो गईं कि लोग भूखे सोने को मजबूर हैं। आलम ये है कि पेट्रोल से भी महंगा दूध बिक रहा है।एक कप चाय की कीमत 100 रुपये हो गई है। मिर्च 700 रुपये किलोग्राम बिक रही है। एक किलो आलू के लिए 200 रुपये तक चुकाने पड़ रहे। फ्लूल की कमी का असर बिजली उत्पादन पर भी पड़ा है। अब कई शहरों में 12 से 15 घंटे तक बिजली कटौती हो रही है। ऐसी स्थिति में भारत ने फौरी तौर पर श्रीलंका को एक अरब डॉलर की मदद दिया है।

श्रीलंका में लगा आपातकाल

श्रीलंका में गंभीर आर्थिक संकट और भारी विरोध प्रदर्शन के चलते पूरे देश में आपातकाल लगा दिया गया है। हिंसा और विरोध प्रदर्शन को देखते हुए राष्ट्रपति ने पूरे देश में कर्फ्यू का ऐलान कर दिया है।

रावघाट परियोजना का विरोध करते ग्रामीण कलेक्ट्रेट में घुसे पुलिस ने बरसाई लाठियां, भड़का आदिवासियों का आक्रोश

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में शुक्रवार को रावघाट परियोजना को लेकर बवाल मच गया। परियोजना के विरोध में हजारों ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों की भीड़ उग्र हो गई। पुलिस के बैरिकेड्स को तोड़कर ग्रामीण कलेक्ट्रेट के अंदर घुस गए। नारेबाजी के बीच ग्रामीणों की पुलिस के साथ झड़प हुई। पुलिस ने भीड़ को खदेड़ने लाठियां भी बरसाई। कई ग्रामीणों को चोटें भी आई है।

दरअसल, नारायणपुर जिले के रावघाट परियोजना क्षेत्र के ग्रामीण लंबे समय से खदान को बंद करने की मांग कर रहे हैं। शुक्रवार को रावघाट संघर्ष समिति द्वारा जिला प्रशासन को बारह सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा जाना था। जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपने के लिए रावघाट संघर्ष समिति के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ भी नारायणपुर मुख्यालय पहुंची थी, जिसे रोकने के लिए पुलिस द्वारा अलग-अलग जगह पर बैरीकेडिंग भी की गई थी।

रावघाट की पहाड़ियों से जुड़ी है हमारी आस्था

ग्रामीणों की भीड़ जब कलेक्टर परिसर में घुसने लगी तब पुलिस के साथ उनकी हल्की झड़प भी हुई। रावघाट संघर्ष समिति के सदस्य सोमनाथ उसेंडी ने कहा कि ग्रामीणों की 12 सूत्रीय मांगें हैं, जिसमें प्रमुख मांग रावघाट खदान को तत्काल बंद करना है। उन्होंने तर्क देते हुए बताया कि इस खदान को बिना ग्रामसभा की अनुमति के चलाया जा रहा है। सोमनाथ ने रावघाट की पहाड़ियों से ग्रामीणों की आस्था जुड़ी होने की बात कहते हुए उसे देव स्थल बताया और किसी भी कीमत में उस क्षेत्र में उत्खनन नहीं होने देने की बात कही है।

पहले ही दी गई थी ज्ञापन सौंपने की सूचना

संघर्ष समिति से जुड़े युवकों ने कहा कि शुक्रवार को ज्ञापन देने की जानकारी पहले से जिला प्रशासन को दे दी गई थी, बावजूद ग्रामीणों पर पुलिस ने बेरहमी से लाठीचार्ज किया, जो सरासर गलत है। रावघाट उत्खनन का ग्रामीणों द्वारा शुरू से विरोध किया जा रहा है, लेकिन आज तक प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों से किसी भी अधिकारी ने मुलाकात करना जरूरी नहीं समझा। यदि उनकी मांगें नहीं मानी गई तो आगे ग्रामीण उग्र आंदोलन करेंगे।

ग्रामीणों पर लाठीचार्ज करने की बात गलत

नारायणपुर के एएसपी नीरज चंद्राकर ने कहा कि ग्रामीणों को रोकने के लिए बल की तैनाती की गई थी और उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से रोका गया। ग्रामीणों के द्वारा लाठीचार्ज का आरोप लगाया जा रहा है, वह गलत है। भीड़ अधिक होने की वजह से ग्रामीण बैरीकेड्स तोड़ने की कोशिश कर रहे थे, जिसमें घायल हुए हैं। वहीं नारायणपुर एसडीएम जितेंद्र कुर्रे ने कहा की ग्रामीणों द्वारा बारह सूत्रीय मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है, जिसे शासन के उच्च अधिकारियों को अवगत कराकर उचित कार्यवाही की जाएगी।

पंजाब में आप सरकार बच्चा पार्टी है, ये इसे मुद्दों की समझ नहीं: अनिल विज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने शनिवार को पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा। विज ने कहा कि पंजाब में जो सरकार आई है... ये 'बच्चा पार्टी' है। इन्हें मुद्दों की पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, अभी पंजाब सरकार के दूध के दांत भी नहीं टूटे हैं। इस पार्टी का जन्म धोखे से हुआ है। अन्ना हजारे के आंदोलन में कहीं भी ये एजेंडा नहीं था कि राजनीतिक पार्टी बनाई जाएगी।

दरअसल, पंजाब विधानसभा में चंडीगढ़ को तत्काल राज्य को हस्तांतरित करने की मांग करने वाला प्रस्ताव शुक्रवार को पारित हुआ था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अनिल विज ने कहा कि चंडीगढ़ का मुद्दा है, लेकिन यह अकेला मुद्दा नहीं है। इसके साथ स्ङ्घरु के जल का मुद्दा भी है, हिंदी भाषी क्षेत्र के मुद्दे हैं तो इन सबका फैसला होगा... किसी एक का नहीं।

प्रस्ताव में कहा गया है, पंजाब पुनर्गठन कानून, 1966 के जरिए पंजाब का पुनर्गठन किया गया, जिसमें पंजाब राज्य का, हरियाणा राज्य, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में पुनर्गठन किया गया और पंजाब के कुछ हिस्से तत्कालीन केंद्र शासित प्रदेश हिमाचल प्रदेश को दे दिए गए। तब से पंजाब और हरियाणा राज्य के उम्मीदवारों को कुछ अनुपात में प्रबंधन पदों को देकर साझा संपत्तियों जैसे कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के प्रशासन, में संतुलन रखा गया। हाल के अपने कई कदमों से केंद्र सरकार इस संतुलन को बिगाड़ने की कोशिश कर रही है।

इसमें कहा गया है, हाल में केंद्र सरकार ने बाहर के अधिकारियों को चंडीगढ़ में तैनात किया और चंडीगढ़ प्रशासन के कर्मचारियों के लिए केंद्रीय सिविल सेवा नियम लागू किए, जो पूर्व में बनी सहमति के बिल्कुल खिलाफहै। चंडीगढ़ शहर को पंजाब की राजधानी के तौर पर बनाया गया। पूर्व में जब भी किसी राज्य को विभाजित किया गया तो राजधानी मूल राज्य के पास रही है। इसलिए पंजाब चंडीगढ़ को पूरी तरह पंजाब को हस्तांतरित करने के लिए अपना दावा पेश कर रहा है।

संपादकीय

श्रीलंका में रोष

श्रीलंका में गुस्सा सड़कों पर न केवल मुखर होने लगा है, बल्कि हिंसा पर भी उतारू होने लगा है। राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग इस कदर तेज हो गई है कि लोग राष्ट्रपति कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने लगे हैं। प्रदर्शन केवल कोलंबो में ही नहीं, उसके आसपास के उपनगरों में भी हो रहे हैं। गुरुवार को स्थिति इतनी खराब हो गई थी कि कर्फ्यू लगाना पड़ा। राष्ट्रपति कार्यालय ने गुरुवार को हुई हिंसा के लिए संगठित चरमपंथियों को जिम्मेदार ठहराया है, इसके बाद 54 गिरफ्तारियां हुई हैं। दरअसल, लोग ईंधन, बिजली और दूध की कमी से बहुत परेशान हैं। प्रदर्शन के दौरान हुई झड़प में आम लोगों के साथ-साथ पुलिस वाले भी घायल हुए हैं। लोगों को राष्ट्रपति भवन के सामने से हटाने के लिए आंसू गैस के गोले व पानी की बौछार भी करनी पड़ी है। लोग राष्ट्रपति से इस कदर नाराज हैं कि उनका एक ही नारा है, गोटाबाया घर जाओ। पुलिस की एक बस को प्रदर्शनकारियों ने आग के हवाले कर दिया। सेना व पुलिस ने संयम से काम लिया है, पर आने वाले दिनों हिंसक प्रदर्शन नहीं होंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

> भय है कि बेरोजगारी और कमर तोड़ महंगाई के चलते श्रीलंका से तमिलों का पलायन बढ़ जाएगा, जिससे तमिलनाडु पर सीधे भार बढ़ेगा। श्रीलंका के संकट की अनदेखी परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से भारत को नुकसान पहुंचाएगी। श्रीलंका में स्थिति जल्दी संभल जाए और हिंसक स्थिति कहीं पैदा न हो, इसके लिए भारत को हरसंभव कदम उठाने चाहिए।

दिक्कत यह है कि हजारों लोग प्रदर्शन के लिए जुट जा रहे हैं, एक साथ इतने लोगों पर कठोर कार्रवाई करना किसी सरकार या प्रशासन के लिए या श्रीलंका जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए बहुत मुश्किल काम है। लोगों ने ही राष्ट्रपति चुना है और अब ज्यादातर लोग राष्ट्रपति को हटाने के पक्ष में हैं। लोग यह मानते हैं कि वर्तमान राष्ट्रपति ने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार दिया है, तो इसमें एक हद तक सच्चाई है। गौर करने की बात है कि गोटाबाया राजपक्षे को श्रीलंका में शांति के लिए भी श्रेय दिया जाता है। लिट्टे के साथ श्रीलंका के लगभग 30 साल चले संघर्ष को समापन तक पहुंचाने में गोटाबाया का बड़ा योगदान है। श्रीलंका में उन्हें युद्ध नायक मानने वाले बहुत रहे हैं, लेकिन अब उनकी लोकप्रियता तेजी से छीज रही है। वह श्रीलंका में एक आदर्श नायक की हैसियत गंवाने लगे हैं। उनके कार्यालय के सामने हुआ प्रदर्शन श्रीलंका के लिए अशुभ संकेत है। तेल या ईंधन की घटती आपूर्ति ने इस द्वीप देश को हिलाकर रख दिया है। प्रतिदिन 13 घंटे या उससे भी ज्यादा की बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। देश पर खूब ऋण है और विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो चुका है। भारत ने फरवरी और मार्च में श्रीलंका को 2.4 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता दी है। श्रीलंका को और पैसा चाहिए, क्योंकि उसकी कमाई लगभग थम गई है। भारत विभिन्न परियोजनाओं के तहत आर्थिक सुधार के प्रयास में लगा है, लेकिन इसमें समय लगेगा। युद्ध और जरूरत से ज्यादा नीतिगत परिवर्तनों की वजह से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था लगभग चौपट हो गई है। भारत को बड़े पैमाने पर श्रीलंका की मदद के बारे में सोचना चाहिए, क्योंकि भारत श्रीलंका का निकटतम पड़ोसी है। गौर करने की बात है कि श्रीलंका में पैदा संकट का असर तमिलनाडु पर भी पड़ेगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राज्य सरकार द्वारा श्रीलंकाई तमिलों को मानवीय सहायता देने की अनुमति मांगी है। भय है कि बेरोजगारी और कमर तोड़ महंगाई के चलते श्रीलंका से तमिलों का पलायन बढ़ जाएगा, जिससे तमिलनाडु पर सीधे भार बढ़ेगा। श्रीलंका के संकट की अनदेखी परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से भारत को नुकसान पहुंचाएगी। श्रीलंका में स्थिति जल्दी संभल जाए और हिंसक स्थिति कहीं पैदा न हो, इसके लिए भारत को हरसंभव कदम उठाने चाहिए।

विदेश नीतिः कुछ कमी, कुछ बढ़त

ऐसा लगता है कि तुर्की में चल रहा रूस-यूक्रेन संवाद शीघ्र ही उनका युद्ध बंद करवा देगा लेकिन इस मौके पर भारतीय विदेश नीति की कमजोरी साफ़-साफ़ उभर कर सामने आ रही है। जो काम भारत को करना चाहिए था, वह तुर्की कर रहा है। यह ठीक है कि तुर्की के अमेरिका और रूस दोनों से अच्छे संबंध हैं और वह नाटो का सदस्य भी है लेकिन इस समय अमेरिका और रूस के भारत के साथ जितने घनिष्ट संबंध हैं, किसी देश के नहीं हैं।

इसका प्रमाण तो यह ही है कि दोनों के विदेश मंत्री भारत आ रहे हैं, दोनों देशों के राष्टपति भारतीय प्रधानमंत्री से बात कर रहे हैं और दोनों महाशक्तियां भरपूर कोशिश कर रही हैं कि वे भारत को अपनी तरफ झुका लें लेकिन भारत अपनी तटस्थता की टेक पर मजबूती से टिका हुआ है। संयुक्तराष्ट संघ में जब भी मतदान हुआ है, उसने न तो रूस के समर्थन में वोट डाला और न ही अमेरिका के समर्थन में। लेकिन दुर्भाग्य है कि इसी साहस का परिचय उसने युद्ध बंद करवाने में नहीं दिया। फिर भी इस समय विदेश नीति के क्षेत्र में भारत काफी सक्रिय है।

हर सप्ताह के दो-तीन दिन कोई न कोई विदेशी मेहमान भारत जरुर आ रहा है और भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित दोभाल भी विदेश यात्राएं कर रहे हैं। रूसी विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव यदि नई दिल्ली आ रहे हैं तो अमेरिका ने अपने उप-सुरक्षा सलाहकार दलीपसिंह को भारत भेज दिया है ताकि भारत सरकार लावरोव के भुलावे में न फंस जाए। अमेरिका और नाटो राष्टों की भरसक कोशिश है कि भारत किसी न किसी रुप में रूस की भर्त्सना करे और उस पर प्रतिबंधों को भी लागू करे लेकिन रूसी व्यापारिक प्रतिनिधि आजकल दिल्ली में बैठकर यह कोशिश कर रहे हैं कि भारत को बड़ी मात्रा में तेल कैसे बेचा जाए। इस्राइली प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट भी भारत आनेवाले थे लेकिन अस्वस्थता के कारण उनकी यात्रा अभी टल गई है।

वेद प्रताप वैदिक

> **जाहिर है, रोजगार सृजन के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति की तत्काल आवश्यकता है, जिसमें न सिर्फहमारे देश की हकीकत का ख्याल रखा जाए, बल्कि वैश्विक आर्थिक एवं तकनीकी बदलावों को भी महत्व दिया जाए। आर्थिक तरक्की (अच्छी और प्रगतिशील नौकरियां) के लिए भले ही अच्छी शिक्षा एक अनिवार्य शर्त है, लेकिन यही एकमात्र शर्त नहीं है।**

पढ़ाई और रोजगार पर हो समान जोर

अनुराग बेहर,सीईओ, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

आप अपने बच्चों को स्कूल क्यों भेजते हैं? उनको पढ़ाना क्यों चाहते हैं? कर्णप्रयाग और रुद्रप्रयाग से गुजरते हुए जब मैं पूर्वी छत्तीसगढ़ के सरगुजा और जशपुर नगर, और दक्षिणी कर्नाटक के चामराजनगर तक गया और आम लोगों से ये सवाल पूछे, तब तमाम गांवों व छोटे नगरों में इसके एक समान जवाब मिले। और ये जवाब वर्षों से इसी तरह दिए जा रहे हैं, जिसके तीन हिस्से हैं। पहला, आज बिना शिक्षा के प्रतिष्ठा नहीं मिल सकती। दूसरा, आधुनिक दुनिया में जीने के लिए शिक्षा अनिवार्य है और तीसरा, अच्छे रोजगार के लिए शिक्षा आवश्यक है। आम आदमी की ये अपेक्षाएं शिक्षा के उद्देश्यों और पाठ्यक्रम संबंधी हमारे लक्ष्यों से सीधे-सीधे जुड़ी हुई भी हैं। हालांकि, सच यही है कि हमारा शिक्षा तंत्र बच्चों में बुनियादी समझ विकसित करने के मामले में जितना विफल साबित हो रहा है, उतना ही अक्षम अपने अन्य लक्ष्यों को पूरा करने में भी रहा है।

शिक्षा प्रणाली की यह कमजोरी युवाओं में अल्प-रोजगार या बेरोजगारी की दर बढ़ा रही है। बेशक इसकी एक वजह पर्याप्त संख्या में नौकरियों व आजीविका के नए अवसरों का पैदा न होना है, लेकिन हमारी स्कूली व उच्च शिक्षा प्रणाली इसमें अपनी सहभागिता से मुंह नहीं मोड़ सकती।

शिक्षा तंत्र में गुणवत्ता और समानता की बुनियादी विफलताओं का गहरा व व्यापक प्रभाव तमाम चीजों पर पड़ता है, जिसमें नौकरियों और रोजगार तक पहुंच भी शामिल है। मगर इससे जुड़े दो पहलू तो रोजगार व आजीविका के मुद्दों पर सीधे-सीधे असरंदाज होते हैं। इनमें पहला है, हमारे समाज के ज्यादातर हिस्सों की तरह, शिक्षा भी इस सोच से नत्थी है कि हमारी सर्वोच्च क्षमता 'दिमाग चलाना' है। इसमें 'हाथ चलाने' (काम करने) जैसी भावना को बहुत ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता है। इसकी पुष्टि न सिर्फइस बात से होती है कि व्यावसायिक शिक्षा को अकादमिक शिक्षा की तुलना में कमतर माना जाता है, बल्कि अकादमिक शिक्षा में भी 'काम करने' को ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता। मूल्यांकन-कार्यों में तो हास्यास्पद रूप से 'प्रैक्टिकल' को कम वजन दिया जाता है। यहां तक कि इंजीनियरिंग कॉलेजों में भी अभ्यास कराने के बजाय लिखने और बैठने पर जोर दिया जाता है।

दूसरा पहलू है, उस क्षमता के विकास पर नाममात्र या बिल्कुल ध्यान न दिया जाना, जिसे आमतौर पर 'कौशल' कहा जाता है। कौशल असल में अपने हाथों से विभिन्न तरह के काम (जो लोग, संचार और अन्य तमाम चीजों से जुड़े हैं) करने का शऊर है। इनके कई निहितार्थ हैं। सबसे पहला तो यही है कि यह ज्ञान और कौशल के बीच एक कृत्रिम अलगाव पैदा करता है। जबकि वास्तव में 'क्या जानें' और 'कैसे जानें' का आपस में अटूट संबंध है। प्रभावशाली बनने के लिए दिमाग (और दिल भी) और हाथ को मिलकर काम करना पड़ता है। इसका दूसरा निहितार्थ है, व्यावसायिक और अकादमिक शिक्षा की एक-दूसरे से दूरी। पिछले कुछ दशकों में दोनों के बीच खाई कहीं ज्यादा गहरी हुई है, क्योंकि एक संपूर्ण 'कौशल प्रशिक्षण' तंत्र का उदय हुआ है। स्पष्ट है, हमने दो अविकसित और अपर्याप्त तंत्र बनाए हैं। एक, हमारा वह अकादमिक शिक्षा तंत्र है, जो 'कैसे जानें' की अनदेखी करता है। और दूसरा, कौशल प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा तंत्र है, जो 'क्या जानें' के अभाव में छिछला बना हुआ है। इस प्रक्रिया में हमने सामाजिक कलंक को भी खासा मजबूत कर दिया है और अकादमिक शिक्षा तक पहुंच रखने वाले लोगों और व्यावसायिक शिक्षा व कौशल प्रशिक्षण में जबरन धकेल दिए गए लोगों के बीच की असमानताएं बढ़ा दी हैं। हालांकि, उम्मीद की कुछ किरणें अब भी मौजूद हैं। हम ऐसे कई मुद्दों का हल निकाल सकेंगे, जब राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू करेंगे। सबसे पहले तो यह नीति शैक्षणिक मूल्यों में 'दिमाग चलाने' व 'हाथ चलाने' को एक बराबर महत्व देती है और यह समझती है कि 'कैसे जानें' और 'क्या जानें' को अलग-अलग नहीं किया जा सकता। दूसरी बात, नई शिक्षा नीति अकादमिक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण के बीच के अंतर को खत्म करती है। तीसरी बात, इसमें कई छोटे-छोटे मसले शामिल किए गए हैं। जैसे, इसमें यह ख्याल रखा गया है कि सभी बच्चे व्यावसायिक शिक्षा हासिल करें, जो निश्चित तौर पर 'करने' और 'सोचने' के बीच के पदानुक्रम को तोड़ने में मददगार साबित होगी। इसमें यह भी सुनिश्चित किया गया है कि व्यावसायिक शिक्षा व कौशल प्रशिक्षण को सबसे प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों के पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए। आसपास की दुनिया में सीखी जा रही तमाम विषयों की सामग्रियों को आपस में जोड़ने संबंधी शैक्षणिक नजरिये का भी छात्र पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा भी कई अन्य अच्छी बातें नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हिस्सा हैं।

तंत्र की कमियों को दूर करने से ऐसे लोग आगे आएंगे, जिनके पास स्कूल में ही बच्चों को काम के अनुरूप ढालने और तेजी से बदलते श्रम बाजारों के अनुकूल तैयार करने की क्षमता है। हालांकि, यह इस पूरे मसले का एक पहलू है। इसका दूसरा बड़ा हिस्सा तो यह सुनिश्चित करता है कि हमारी अर्थव्यवस्था पर्याप्त संख्या में अच्छी नौकरियां पैदा करे। निस्संदेह, इसके लिए अच्छे रोजगार के सृजन को प्राथमिकता देने की जरूरत है, क्योंकि एक बेहतर शिक्षा तंत्र (जिसमें 'कैसे जानें' और 'क्या जानें' को हमराह बनाया गया हो) सिर्फअपने दम पर नौजवानों को दीर्घकालिक आर्थिक लाभ नहीं दिला सकता। जाहिर है, रोजगार सृजन के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति की तत्काल आवश्यकता है, जिसमें न सिर्फ हमारे देश की हकीकत का ख्याल रखा जाए, बल्कि वैश्विक आर्थिक एवं तकनीकी बदलावों को भी महत्व दिया जाए। आर्थिक तरक्की (अच्छी और प्रगतिशील नौकरियां) के लिए भले ही अच्छी शिक्षा एक अनिवार्य शर्त है, लेकिन यही एकमात्र शर्त नहीं है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सदियों से हमारे व्यवहार में आ रहे कैलेंडर पर नववर्ष

राममोहन पाठक,कुलपति और शिक्षाविद्

समय का पहिया निरंतर गतिशील है। समय या काल एक प्राकृतिक गति के साथ ही मानव की नियति भी है। काल किसी भी बंधन से सर्वथा मुक्त है। समय या काल की गणना मनुष्य की स्वाभाविक आदत या जरूरत भी रही है। इसकी निरंतरता को पल, क्षण, घड़ी, मिनट, घंटे, दिन, पक्ष (पखवाड़ा), मास (महीना), वर्ष, दशक, शताब्दी, सहस्राब्दी, संवत, मन्वंतर तथा कल्प जैसे कालखंडों में बांटकर देखा जाता है।

नई पीढ़ी को याद रहे कि भारतीय संदर्भ में विक्रम संवत्सर या भारतीय नववर्ष का शुभारंभ सम्राट चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने 2079 वर्ष पहले, यानी ईसा से 57 वर्ष पहले किया था। ग्रेगोरियन कैलेंडर भले ही 1 जनवरी को शुरू होता है, पर आज नौजवानों के लिए यह याद रखना जरूरी है कि विक्रम संवत वर्ष 2079 आज से प्रारंभ हो रहा है। यह याद रखना भी जरूरी है कि राष्ट्रीय या शासकीय मान्यता शक संवत को मिली हुई है। यह छिपी हुई बात नहीं है कि भारत के शासकीय प्रपत्रों में शक संवत का उल्लेख होने तथा व्यवहार में विक्रम संवत का प्रचलन होने से अनेक प्रकार की कठिनाइयां सामने आती रही हैं। बहस होती है कि आखिर शक संवत को क्यों आधिकारिक राष्ट्रीय मान्यता दी गई? विक्रम संवत को मान्यता देने में अब क्या समस्या है? दरअसल, भारत में अलग-अलग प्रांत के अपने-अपने पंचांग हैं, इसलिए प्रांतीय या सांप्रदायिक विवाद से बचते हुए 1957 में सरकार ने शक संवत को भारत गणराज्य का आधिकारिक कैलेंडर माना था। इसे शालिवाहन संवत के नाम से भी जाना जाता है। इसे कुषाण राजा कनिष्क ने शुरू किया था।

जो लोग समय का मोल समझते हैं, उनके लिए काल गणना बहुत दिलचस्प विषय है। कालगणना के कई भारतीय मानदंड रहे हैं। संवत के पांच वर्णित प्रकारों में तीन - सावन (360 दिन), चंद्र (354 दिन) और सौर (365 दिन) विशेष रूप से मान्य रहे हैं। विश्व में दूसरी सभ्यताओं में भी चंद्र चक्र और सौर चक्र काल गणना के मूल आधार के रूप में मान्य रहे हैं। सौर चक्र की गणना पद्धति के अनुसार, पृथ्वी द्वारा सूर्य की एक परिक्रमा पूरी करने में 365 दिन, 06 घंटे का समय लगता है। अत: सौर वर्ष आधारित कैलेंडर में साल में 365 दिन होते हैं और चंद्र आधारित कैलेंडर में साल में 354 दिन होते हैं। ईसा के जन्म के चार साल बाद निर्मित ग्रेगोरियन कैलेंडर में साल में 365 दिन और हर चौथा साल 366 दिन का होता है। यहूदी तो ग्रेगोरियन कैलेंडर से भी पुराने हिब्रू कैलेंडर का प्रयोग करते थे। हिजरी कैलेंडर में वर्ष में 354 दिन की मान्यता है। ईस्वी सन 622 में 16 जुलाई को हजरत मुहम्मद साहब मक्का छोड़ मदीना गए थे। इस दिन को हिजरत और चंद्र चक्र पर आधारित वर्ष को हिजरी (संवत) के नाम से प्रयोग की मान्यता मिली। इसे मुस्लिम कैलेंडर के रूप में भी मान्यता मिली।

बहरहाल, भारतीय विक्रम संवत्सर के तहत काल गणना को पूर्णत: वैज्ञानिक माना गया है। आज भी खगोलशास्त्री भारतीय काल गणना के आधार को सबसे मजबूत मानते हैं। विदेशी माने गए शक शासकों की पराजय के बाद विक्रमादित्य द्वारा स्थापित विक्रम संवत को भारतीय जनजीवन में सदियों से व्यावहारिक मान्यता प्राप्त है। कम से कम उत्तर भारत के सभी राज्यों में विक्रम संवत के हिसाब से ही सारे व्रत-त्योहार, विवाह, संस्कार इत्यादि मनाए जाते हैं। ग्रेगोरियन कैलेंडर पर हर साल होली हो या दीपावली, चैत्र नवरात्र हो या शारदीय नवरात्र, तारीख बदल जाती है। विक्रम संवत की गणना इतनी पुख्ता है कि सौ साल पहले कब चैत्र नवरात्र शुरू हुआ था और सौ साल बाद कब शारदीय नवरात्र शुरू होगा, बताया जा सकता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर ठीक से काल गणना नहीं कर पाता। यह रोचक तथ्य है कि ईस्वी सन 1582 में इस कैलेंडर ने दस दिन की छलांग मारी थी। मतलब तब 4 अक्तूबर के बाद सीधे 15 अक्तूबर आ गया था। ऐसी जरूरत विक्रम संवत में नहीं पड़ती है, तिथि की टूट-जोड़ से काल गणना को दुरुस्त कर लिया जाता है। आज देश के व्यावहारिक सांस्कृतिक-धार्मिक नववर्ष का शुभारंभ है। विक्रम संवत की पहली तिथि पर देश में अलग-अलग नाम से पर्व-त्योहार मनाए जाते हैं, कहीं चैत्र नवरात्र की शुरुआत होती है, तो कहीं गुड़ी पड़वा, तो कहीं चैटी चंड का धूमधाम से आयोजन होता है। भारतीय नववर्ष का यह दिन बहुत खास बन जाता है। संवत्सर के नामों को लेकर पिछले वर्ष से ज्योतिषियों में मतांतर की स्थिति है। गत वर्ष 'राक्षस' तथा 'नल' व इस वर्ष 'नल' तथा 'पिंगल' में विभेद है। बहरहाल, इस पचड़े में न पड़कर ज्योतिषियों द्वारा राजा शनि व मंत्री गुरु बृहस्पति की युति सर्वथा लोक कल्याणकारी होने की भविष्यवाणी के साथ वासंतिक नवरात्र शुभ हो, आज से हम नए संवत्सर में आ गए हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

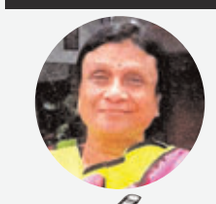

खाली लिफाफे का मूल्य नहीं ऐसे ही, इंसान में अगर दम नहीं तो उसका भी कोई मोल नहीं।

-अंजली जैन
7024460938

रावण जल्दी नहीं मरता!

हरिशंकर व्यास

राष्टपति पुतिन न हताश होंगे और न हार मान सकते हैं। दुनिया और खास कर पश्चिमी दुनिया यूक्रेन का ध्वंस देख बूझ रही है कि रावण अब समझेगा। उसे लगेगा कि ध्वंस के बावजूद यदि यूक्रेन की वानर सेना लड़ रही है तो रास्ता निकालो। ये सब गलतफहमियां हैं। तभी तुर्की में बातचीत के बाद का आशावाद 48 घंटों में खत्म है। पुतिन और उनके कमांडर नए सिरे से मोर्चे बना रहे हैं। सेना की रिपोजिशनिंग हो रही है। कुछ जानकारों का मानना है कि पुतिन को सही सूचनाएं नहीं मिल रही हैं इसलिए लड़ाई है। पहली बात भला तानाशाह याकि रावण से सत्य बोलने, उसे सत्य बताने की हिम्मत कैसे हो सकती है। ऐसा ब्रेझनेव (अफगानिस्तान युद्ध), याह्या खान (बांग्लादेश), हिटलर (दूसरे महायुद्ध) के वक्त था तो राम-रावण की लड़ाई के समय भी था। रावण ने वानर सेना पर कितने अट्टहास लगाए थे? मेघनाद, कुंभकर्ण आदि के एक, एक कर मारे जाने के बावजूद उसका अजेय होने का घमंड क्या आखिर तक नहीं था?

हर तानाशाह राजा, राष्टपति और प्रधानमंत्री का अस्तित्व ही झूठ में जीने और जनता को झूठ खिलाने पर होता है। तभी सत्य पर गौर करें कि रूसी सेना की असफलता 35 दिनों से बोलती हुई है। वह प्रोफेशनल सेना की तरह नहीं, बल्कि राक्षसों की तरह लड़ रही है। मानव मूल्यों का बर्बर संहार कर रही है। कामयाबी से कोसों दूर है बावजूद इसके रूस में पुतिन का वैसे ही जयकारा है जैसे जर्मनी के लोगों का हिटलर के लिए था। कल्पना करें रूस के साढ़े 14 करोड़ लोगों की मनोदशा पर, वे यूक्रेन की अपनी स्लाविक नस्ल के भाइयों की बरबादी के बावजूद इस झूठ से जयकारा लगाते हुए हैं कि पुतिन हैं तो सब सही है।

इसलिए इन बातों का अर्थ नहीं है कि सेना की नाकामियों और नुकसान से पुतिन परेशान होंगे। पंद्रह हजार सैनिक मरें या लाख-दो लाख सैनिक मरें, पुतिन और उनकी लंका पर असर नहीं होगा। उलटे बेचैन और परेशान वे लोग होंगे, जो सत्य में, मानवीयता में जीते हैं। रूस और चीन दोनों देश उस नस्ल के प्रतिनिधि हैं, जिसमें कन्फ्यूशियस जैसे विचारकों ने राज्यसत्ता और राजा की सर्वोच्चता में उसके गुणों को धुव्रतारा बताया है वह जो अटल होता है और जिसकी ओर चांद-सितारे होते हैं। जारशाही, स्तालिनशाही और पुतिनशाही के रूस का लब्बोलुआब है कि प्रजा बार-बार बरबाद हो, बार-बार तानाशाही में मरती रहे लेकिन हर अनुभव को भुलाते हुए। हर क्रांति नई गुलामी बनवाने वाली।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

चिरकन बांध निर्माण के लिए सभी प्रक्रियाएं प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूरा कराएं - कलेक्टर

बालोद। डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम कुसुमटोला अंतर्गत चिरकन बांध निर्माण हेतु सभी आवश्यक प्रक्रियाएँ पूरी कराने के संबंध में कलेक्टर जनमेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक गोवर्धन राम ठाकुर, वनमण्डल अधिकारी आयुष जैन और जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता जे.के.चन्द्राकर की संयुक्त बैठक आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में चिरकन बांध के निर्माण में 03.57 हेक्टेयर प्रभावित हो रही वनभूमि के व्यपवर्तन पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने बांध निर्माण हेतु सभी आवश्यक प्रक्रियाएँ प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। बैठक में जल संसाधन विभाग के अन्य लंबित प्रस्ताव पर भी वन एवं पर्यावरण क्लीयरेंस के संबंध में समीक्षा की गई। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि वन विभाग के प्रचलित नियमों के तहत ऑफलाईन पंजीयन वर्ष 2015 में कराया गया था। लेकिन वन संरक्षण अधिनियम 1980 के तहत व्यपवर्तन प्रस्ताव ऑनलाईन किए जाने के फलस्वरूप पूर्व पंजीयन निरस्त हो गया था। उन्होंने बताया कि तत्पश्चात् वन प्रकरण का ऑनलाईन पंजीयन हेतु प्रस्ताव अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक(भू-प्रबंध) को प्रस्तुत किया गया। जिस पर सात बिंदुओं पर निराकरण चाहा गया था। कार्यपालन अभियंता ने बताया कि जल संसाधन विभाग द्वारा उपरोक्त बिंदुओं का निराकरण कर 21 मार्च 2022 को भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के पोर्टल में पुन: अपलोड किया गया है। प्रकरण परीक्षण अधीन है। पंजीयन क्रमांक आबंटन उपरांत वन व्यपवर्तन प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ का निरंतर हो रहा समन्वित विकास : भूपेश बघेल

नगर पंचायत चंद्रपुर में गौरव पथ, सहकारी बैंक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और पुलिस चौकी की घोषणा

सक्ती को 226 करोड़ रुपए से अधिक राशि के विकास कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि गत करीब साढ़े 3 साल में छत्तीसगढ़ के समन्वित विकास के कार्य हुए। उन्होंने कहा कि इस अवधि में राज्य के किसानों, महिलाओं, ग्रामीणों, भूमिहीन खेतिहर मजदूरों, बेरोजगारों के कल्याण के साथ-साथ प्रशासनिक कसावट के क्षेत्र में भी शासन द्वारा महत्वपूर्ण कार्य किए गए। मुख्यमंत्री श्री बघेल आज नगर पालिका सक्ती के बुधवारी बाजार स्थित दीनदयाल स्टेडियम में पूर्व मंत्री और छत्तीसगढ़ के स्वप्न दृष्टा स्वर्गीय श्री बिसाहू दास महंत की प्रतिमा का अनावरण और विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आज सक्ती में अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की। इनमें सक्ती में शासकीय महाविद्यालय की घोषणा सहित सतनामी समाज के सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 20 लाख रुपए की घोषणा की। वहीं विधायक श्री राम कुमार यादव की मांग पर नगर पंचायत चंद्रपुर में गौरवपथ, सहकारी बैंक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और पुलिस चौकी की घोषणा की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत, सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, विधायक श्री राम कुमार यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि छत्तीसगढ़ के स्वप्न दृष्टा स्वर्गीय श्री बिसाहू दास महंत द्वारा हसदेव बांगो परियोजना के निर्माण कराए जाने के कारण जांजगीर-चांपा और सक्ती क्षेत्र के किसान समृद्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद किसानों को उनके धान की सही कीमत मिलने लगी है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी राज्य सरकार द्वारा किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य देने का काम किया। श्री बघेल ने बताया कि गत खरीफसीजन में राज्य सरकार ने किसानों से 98 लाख क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर खरीदा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों के साथ-साथ बेरोजगार युवकों के हित में भी पीएससी और व्यापम की परीक्षाओं में उम्मीदवारों का फीस माफी का निर्णय लिया। वही भूमिहीन कृषि मजदूरों के लिए राजीव गांधी भूमिहीन खेतिहर मजदूर न्याय योजना में प्रतिवर्ष 7 हजार रूपए की सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री ने किसानों का आह्वान करते हुए कहा कि रासायनिक खाद की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो रही है। खेती नष्ट करने वाले रासायनिक खाद के स्थान पर वर्मी, गोबर खाद का अधिकतम उपयोग करें और उसका निर्माण कर खाद के लिए स्वयं आत्मनिर्भर बनें। प्रशासनिक कसावट के क्षेत्र में राज्य सरकार के कामकाज का उल्लेखनीय काम किए गए हैं।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सक्ती को जिला बनाने पर यहां के लोग बहुत प्रसन्न हैं, यही कारण है कि आज मुख्यमंत्री का स्वागत करने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए हैं। उन्होंने कहा कि सक्ती क्षेत्र से पलायन की अधिकता के कारण इस क्षेत्र में औद्योगिक संस्थान खोलने की जरूरत है। डॉ महंत ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अस्मिता का संरक्षण और संवर्धन हम सब का नैतिक दायित्व है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अस्मिता की रक्षा यहां रहने वाले हर वर्ग के लोगों की भलाई के कार्य करने से ही हो सकती है।

जांजगीर-चांपा जिले के प्रभारी और राजस्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि राजस्व से संबंधित कार्य के लिए सरकार द्वारा समय सीमा तय कर दी गई है। उन्होंने कहा कि तय समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण नहीं होने पर इसे संबंधित राजस्व अधिकारी की जवाबदारी मानी जाएगी। उन्होंने कहा कि इसकी समीक्षा स्वयं मुख्यमंत्री और मेरे द्वारा की जा रही है।

बहादुर कलारिन के नाम पर दिया जाएगा अलंकरण सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ डड़सेना कलार समाज के खंड महासभा के कार्यक्रम में भाग लेने दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम केसरा पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समाज की नायिका बहादुर कलारिन के नाम पर अलंकरण सम्मान आरंभ करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में यह सम्मान दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर केसरा में समाज के आग्रह पर सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 25 लाख रुपए तथा डड़सेना कलार समाज द्वारा स्थापित बहादुर कलारिन महाविद्यालय को 20 लाख रुपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की गोधन न्याय योजना एवं गौठान मॉडल को पूरे देश में अपनाया जा रहा है। झारखंड ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित गोधन न्याय योजना जस का तस स्वीकार किया है । यहाँ के गौठान को देखने देशभर से प्रतिनिधिमंडल आ रहे हैं। यह ग्रामीण विकास के सशक्त मॉडल के रूप में स्थापित हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौठान को ग्रामीण आजीविका केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है। इनके उत्पादों के विक्रय के लिए सीमार्ट में व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा मुख्य जोर वैल्यू एडिशन को लेकर है। हमारे वनोपज को जब हमारे लोग प्रोसेस कर के ब्रांड के रूप में बेचेंगे, तो उससे अच्छी आय हासिल कर सकेंगे। कोंडागांव के तिखुर का उदाहरण भी उन्होंने दिया।

पहले तिखूर छत्तीसगढ़ में हमेशा व्रत के दौरान उपयोग होता था अब इसकी पहचान देशभर में हो गई है। हमारे वनोपज में कमाल का स्वाद और पौष्टिक गुण हैं। हमने इनका मूल्य संवर्धन किया और अब इससे बड़ी लाभ की संभावनाएं वनोपज संग्राहकों के लिए बनी है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि बोरेन्दा की बाड़ी में महिलाओं ने 12 लाख रुपए की आय हासिल की है। यह नरवा गरवा घुरवा बाड़ी योजना का कमाल है कि ग्रामीण क्षेत्र तेजी से आर्थिक विकास की दिशा में बढ़ रहे हैं।

बॉलीवुड, छत्तीसगढ़ की लोक पारंपरिक गीत-संगीत के साथ हुआ भोरमदेव महोत्सव का विधिवत समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ की लोक-पारंम्परिक लोकगीत तथा बॉलीवुड की सुपर-डूपर हिन्दी फिल्मों की गाने के साथ कबीरधाम जिले में आयोजित भोरमदेव महोत्सव वर्ष 2022 का विधिवत समापन हुआ। महोत्सव के दूसरे दिन आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन एवं छत्तीसगढ़ की राजकीय गीत अरपा पैरी के धार, महानदी हे अपार...जय हो जय हो छत्तीसगढ़ मैया साथ विधिवत शुभारंभ हुआ। छत्तीसगढ़ कबीरधाम की ऐतिहासिक, पुरात्तविक, धार्मिक, पर्यटन और जन आस्था का केन्द्र के नाम से प्रत्येक वर्ष यह आयोजन होते आ रहा है। यह 26 वां भोरमदेव महोत्सव था।

महोत्सव समापन से पूर्व बाबा भोरमदेव मंदिर के शिव जी का विधिवत प्रात: काल महाअभिषेक, एक हजार नामों से सहस्त्रार्चन,रूद्राभिषेक, विशेष श्रृंगार आरती की गई।

दूसरे पहर शायं काल में सहस्त्रधारा से महाभिषेक, श्रृंगार महाआरती-भस्म आरती, शिव सरोवर के सामने भगवान वरूण देव का पूजन, दीपदान, गंगा आरती की गई। भोरमेदव महोत्सव के द्वितीय दिन समापन समारोह के विशेष अतिथि के रूप में मां महामाया मंदिर के पुजारी अमित दुबे, मां सिंहवासनी मंदिर कवर्धा के पुजारी शंकर पाण्डेय, राम मंदिर बोडला के पुजारी श्री हरि पाठक, मां महामाया मंदिर पंडरिया के पुजारी प्रयास पाठक, मां परमेश्वरी मंदिर के पुजारी श्री प्रहलाद देवांगन, खेड़ापति हनुमान मंदिर के पुजारी चन्द्रकिरण तिवारी और मां चण्डी मंदिर के पुजारी आनंद मिश्रा तथा कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा, पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उम्मेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। भोरमदेव महोत्सव के दूसरे दिन इंडियन आईडल सेलीब्रीटी बॉलीवुड सिंगर अनुष्का बनर्जी, नचिकेत लेले, निहाल तारों, हमर पारा तुहर पारा फेम अनिल मानिकपुरी के साथ स्कूली बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति भोरमदेव महोत्सव में दूसरे दिन मंदिर प्रांगण पर प्रतिमा बारले द्वारा पण्डवानी, ग्राम छांटा के शिवकुमार यादव द्वारा बांसगीत, बाजार चारभाठा के श्री निहोराराम मरकाम के द्वारा जसगीत, श्री राकेश जैन द्वारा जसगीत एवं फागगीत ग्राम ढोगईटोला के श्री गणेश यादव के द्वारा शिवजी का भजन की शानदान प्रस्तुति दी।

महोत्सव स्थल पर स्कूली बच्चों के आयोजन के साथ सांस्कृतिक कार्याक्रमों का शुभारंभ हुआ। इसके बाद छत्तीसगढ़ रायपुर के भजन गायक श्री प्रदीप चौबे द्वारा शिव भजन की प्रस्तुति दी। छत्तीसगढ़ और ओडिसा से आए डॉ गजेन्द्र पंडया एवं आर्या नंदे द्वारा ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति देते हुए भारतीय संस्कृति की झलक दिखाई। गुरूदास मानिकपुरी छत्तीसगढ़ लोकगीत की प्रस्तुति देते हुए कार्यक्रम का संमा बांधा। बिलासपुर की अनिल गढेंवाल की टीम द्वारा छत्तीसगढ़ की गेड़ी नृत्य की प्रस्तुति देते हुए राज्य की सांस्कृति विरासत की झलक प्रस्तुत किया। छत्तीसगढ़ के हास्य कार्यक्रमों के लिए मशहुर कौशल साहू और उनकी टीम महोत्सव के बीच बीच में अपनी प्रस्तुति देते हुए महोत्सव में आए दर्शकों का मनोरंजन किया। इसके बाद इंडियन आईडल सेलीब्रीटी बॉलीवुड सिंगर फेम अनुष्का बनर्जी, नचिकेत लेले, निहाल तारों एवं उनकी पूरी टीम की सुपर-हिट गीत संगीत की प्रस्तुति देकर महोत्सव की ख्याति बढ़ाई। वहीं महोत्सव के समापन अवसर पर छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय गायक श्री अनिल मानिकपुरी ने अपनी प्रस्तुति में छत्तीसगढ़ की लोक-संस्कृति और धार्मिक गीतों की प्रस्तुति देकर छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति को आगे बढ़ाया।

उन्होने छत्तीसगढ़ की कर्मा गीत की प्रस्तुति देकर दर्शकों का खुब मनोरंजन किया। भोरमदेव सनातन तीर्थ ट्रस्ट की ओर से कलेक्टर श्री रमेश कुमार शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उम्मेद सिंह ने महोत्सव में समापन अवसर उपस्थित सभी विशेष अतिथियों एवं कलाकारों को भोरमदेव महोत्सव वर्ष 2022 को प्रतिक चिन्ह, शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

निषाद समाज कर्मठ व परिश्रमी : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल दुर्ग जिले में "छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय निषाद समाज परसुलीडिह केसरा" द्वारा बोरेन्दा में आयोजित महासभा में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए थे। महासभा के कार्यक्रम की शुरुआत इष्ट देव भक्त गुहा निषाद एवं श्री रामचंद्र जी की पूजा अर्चना के साथ शुरू हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का समाज के लोगों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया और बूंदी के लड्डूओं से मुख्यमंत्री को तौलकर अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने निषाद समाज को एक कर्मठ व परिश्रमी समाज के रूप में संबोधित किया। उन्होंने भक्त गुहा निषाद का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा कि भगवान श्री रामचंद्र जी ने सबसे ज्यादा प्रेम व स्नेह भक्त गुहा निषाद से किया। भक्त गुहा निषाद सौम्य और सरल स्वभाव के कारण भगवान के हृदय में वास करते थे और यही कारण है कि निषाद समाज को भगवान श्रीराम ने अपने हृदय में स्थान दिया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने निषाद समाज को सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक दृष्टि से विकास की ओर अग्रसर कहा। निषाद समाज एक ऐसा समाज है जो समाज सेवा के लिए हर समय प्रथम पंक्ति में खड़ा रहता है। यह समाज समूचे मानव समाज के लिए एक उदाहरण है। उन्होंने आगे कहा समाज की प्रगति और चिंतन मनन के लिए ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए। इससे समाज के लोगों के बीच में आपसी समन्वय स्थापित होता है और समाज विकास की ओर अग्रसर रहता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि शासन निषाद समाज के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। शिक्षा, रोजगार से लेकर समाज के परंपरागत मत्स्य व्यवसाय के लिए शून्य प्रतिशत में ऋण मत्स्य विभाग के द्वारा मुहैया करा रही है। उन्होंने समाज के लोगों को इस दिशा में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए और इस अवसर का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने समाज के लोगों को बताया शासन की योजनाओं का लाभ लेकर कृषक खेती की जमीन को मनरेगा से लोग तालाब में परिवर्तित कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा आज छत्तीसगढ़ में मछली पालन में 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है मत्स्य बीज उत्पादन में 13 प्रतिशत की। उन्होंने समाज के लोगों को कहा आप भी मत्स्य बीज उत्पादन के कार्य से जुड़े इसके विक्रय की व्यवस्था शासन कराएगी।

विधायक गुंडरदेही श्री कुंवर सिंह निषाद ने निषाद समाज के उपस्थित लोगों को शासन की मत्स्य विभाग की योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को मत्स्य पालन को कृषि का दर्जा देने के लिए और समाज के लोगों के उत्थान के लिए धन्यवाद कहा।

पिछले तीन वर्षों में 3397 मजरे-टालों और 1798 स्कूलों का विद्युतीकरण

रायपुर। प्रदेश में विद्युत विहीन स्कूलों और मजरा-टोल के विद्युतीकरण के साथ प्रदेश के 14 नगर निगम क्षेत्रों में विद्युत अधोसंरचना के विस्तार के काम किए जा रहे हैं। स्कूल विद्युतीकरण योजना के तहत विगत तीन वर्षों में 11 करोड़ रूपए की राशि खर्च कर 1 हजार 798 स्कूलों का ग्रिड के माध्यम से विद्युतीकरण किया गया। इसी तरह मुख्यमंत्री मजरा-टोला विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत आंशिक रूप से विद्युतीकृत ग्रामों के मजरे-टोले और बसाहटों का विद्युतीकरण किया जा रहा है।

खास खबर

महानदी पर डाइक निर्माण के लिए 5 करोड़ 60 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

रायपुर। राज्य शासन द्वारा रायपुर जिले के अभनपुर विकासखड में महानदी पर डाइक निर्माण के लिए 5 करोड़ 60 लाख 80 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस डाइक के निर्माण होने से भू-जल प्रवाह को रोककर जल संग्रहण से आसपास के क्षेत्रों में भूजल स्तर में वृद्धि एवं ग्रीष्म ऋतु में जल स्तर बरकरार रहेगा। जल संसाधन विभाग छत्तीसगढ़ महानदी भवन से डाइक निर्माण के लिए मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। जारी पत्र में स्वीकृत राशि एवं निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मनरेगा में होगी 11 नए लोकपालों की भर्ती, 22 अप्रैल तक कर सकते हैं आवेदन

रायपुर। राज्य शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के अंतर्गत 11 नए लोकपालों की नियुक्ति की जाएगी। राज्य मनरेगा कार्यालय द्वारा प्रदेश के 11 जिलों बेमेतरा, कोंडागांव, बीजापुर, नारायणपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बालोद, बलौदाबाजार-भाटापारा, गरियाबंद, सुकमा, सूरजपुर और मुंगेली में लोकपाल के एक-एक पद पर राज्य स्तरीय भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी इसके लिए 22 अप्रैल 2022 तक, शाम पांच बजे तक अपना आवेदन प्रेषित कर सकते हैं। आवेदक की आयु नियुक्ति के समय 66 वर्ष से कम होनी चाहिए। लोकपाल के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन संबंधी प्रारूप, अर्हता एवं शर्तों की जानकारी वेबसाइट www.cgstate.gov.in और www.mgnrega.cg.nic.in पर अपलोड की गई है। आवेदक अपना आवेदन आयुक्त, महात्मा गांधी नरेगा, विकास आयुक्त कार्यालय, तृतीय तल, कक्ष क्रमांक-19, विकास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़ को प्रेषित कर सकते हैं। केवल स्पीड पोस्ट या पंजीकृत डाक द्वारा भेजा गया आवेदन ही स्वीकार किया जाएगा।

गर्मी के कारण आंगनबाड़ियों संचालन अब सुबह 7 से 11 बजे तक

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग ने प्रदेश में बढ़ती गर्मी का बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रभाव को ध्यान में रखते हुए आंगनबाड़ियों के संचालन के समय में परिवर्तन कर दिया है। अब आंगनबाड़ियों का संचालन सुबह 7 बजे से 11 बजे तक होगा। ग्रीष्मकाल की अवधि अर्थात 01 अप्रैल से 30 जून तक आंगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन 6 घण्टे से घटाकर 4 घण्टे कर दिया गया है। आंगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन 01 जूलाई से फिर से सुबह 9.30 से दोपहर 3.30 बजे तक 6 धण्टे के लिए किया जायेगा। इस संबंध में मंत्रालय से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी विभागीय जिला अधिकारियों को आदेश जारी कर दिया है।

एक वर्ष में मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् 2.91 करोड़ रुपए के जुर्माना की वसूली

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस ड्रिंक एंड ड्राइव के मामलों में तेजी से कार्रवाई कर रही है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर के अनुसार बीते वर्ष 2021 में रायपुर पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् कुल 67073 कार्रवाई करते हुए 2.91 करोड़ रूपए जुर्माना वसूल किया गया है। इन प्रकरणों में से शराब सेवन कर वाहन चलाने के 200 प्रकरणों में कार्रवाई की गयी है जिसमें न्यायालय द्वारा 20 लाख रूपए जुर्माना वसूल किया गया है। रायपुर पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् 477 व्यक्तियों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिली जानकारी के अनुसार रायपुर पुलिस ने वर्ष 2022 में 20 मार्च तक मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् कुल 17994 कार्रवाइयों में 90.19 लाख रूपए का जुर्माना वसूल किया है। 20 मार्च 2022 तक रायपुर पुलिस ने शराब सेवन कर वाहन चलाने के 90 प्रकरणों में कार्रवाई की है जिसमें न्यायालय द्वारा 98 हजार रूपए का जुर्माना वसूल किया गया है।

शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का मैदानी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चत करें : मुख्य सचिव जैन

ग्रामीण परिवारों के घरों में नल कनेक्शन के कार्यों को तेजी से पूर्ण कराएं

शासकीय भवनों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग लगाने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रदेश व्यापी भ्रमण के मद्देनजर मुख्य सचिव ने सभी अधिकारियों को मैदानी स्तर पर शासन की प्राथमिकता वाली सभी योजनाओं के क्रियान्वयन को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आज मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री आगामी दिनों में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का मैदानी स्तर पर जायजा लेंगे। सभी अधिकारी सजगता से कार्य करें और इन कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान रखें।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ली गई इस बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों को दूर कर लिया जाए। साथ ही योजनाओं की प्रगति और लाभान्वित हितग्राहियों अद्यतन जानकारी रखें। बैठक में उन्होंने जल-जीवन मिशन, सी-मार्ट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, शालाओं में शौचालयों का निर्माण, ग्रामीण औद्योगिक पार्क, ग्रामीण आजीविका मिशन, गोधन न्याय योजना, ग्रामीण हाट बाजार क्लीनिक सहित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। बैठक में अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री सुब्रत साहू, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर

मुख्य सचिव रेणु जी पिल्ले, विशेष रूप से मौजूद थीं।

मुख्य सचिव ने जल-जीवन मिशन के तहत ग्रामीण परिवारों हेतु घरेलू नल कनेक्शन देने के कार्य में और अधिक प्रगति लाने कहा। उन्होंने कहा कि स्कूलों में अच्छी गुणवत्ता के शौचालय बनाये जाएं। मध्यान्ह भोजन के लिए स्थानीय उत्पादकों से खाद्य सामग्री क्रय कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। श्री जैन ने सी-मार्ट की स्थापना एवं संचालकों के प्रशिक्षण की जानकारी ली और सी-मार्ट के लिए स्थानीय उत्पादों की बिक्री एवं इससे जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। चिटफंड कम्पनियों के निवेशकों के आवेदनों नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने के साथ ही शासकीय भवनों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग की स्थापना, प्रमुख नदियों में गंदें नालों का प्रवाह रोकना तथा एसटीपी का निर्माण तथा आगामी खरीफसीजन में वर्मी कम्पोस्ट का ज्यादा से ज्यादा उपयोग के लिए किसानों को प्रेरित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि प्रत्येक गांव में एनीमिया और कुपोषण की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए। जिले स्तर पर इसकी समीक्षा के साथ ही कुपोषित बच्चे और एनीमिया ग्रस्त बच्चों का तत्काल इलाज कराया जाए। इसी तरह से मुख्यमंत्री हाट बाजार योजना में लगाये जा रहे शिविरों में अनिवार्य रूप से चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टॉफकी उपस्थिति सुनिश्चित करें तथा इन शिविरों में चिकित्सा के साथ-साथ पैथालॉजी की सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत एनजीटी के दिशा-निर्देशों का अक्षरश: पालन किया जाए। अपशिष्ट प्रबंधन के लिए प्रत्येक जिले की तीन-तीन ग्राम पंचायतों को मॉडल पंचायत घोषित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए।

बैठक में प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा एवं ग्रामोद्योग डॉ. आलोक शुक्ला, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. मनिन्दर कौर द्विवेदी, सचिव आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग डीडी सिंह सहित नगरीय प्रशासन, जल संसाधन, सहकारिता एवं कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए।

विज्ञान की समझ आसान बनाने के लिए की गई विज्ञान पार्क की स्थापना

साईंस पार्कों में स्थापित किए गए हैं विद्यालयीन विज्ञान पाठ्यक्रम पर आधारित चलित प्रादर्श

खेल-खेल में विद्यार्थी आसानी से सीख पा रहें हैं विज्ञान की विभिन्न आयामों को

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विज्ञान को रूचिकर और आसान बनाने के लिए छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के द्वारा विद्यालयीन छात्रों के लिए विद्यालय परिसर में विज्ञान पार्क की स्थापना की गई है। इस पार्क के माध्यम से खेल-खेल में विद्यार्थी विज्ञान के विभिन्न आयामों को समझ पाएंगें। प्रदेश में इस तरह के कुल 12 पार्क स्थापित किए गए हैं। जिला दुर्ग में एक विज्ञान पार्क की स्थापना का कार्य प्रगति पर है। राज्य के सभी जिलों में परिषद के द्वारा विज्ञान पार्क की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है।

छत्तीसगढ़ विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी परिषद की वैज्ञानिक जेके राय ने बताया कि छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं परिषद के विज्ञान लोकव्यापीकरण योजना के अंतर्गत राज्य में विज्ञान के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं विद्यालयीन छात्र-छात्राओं में खेल-खेल में विज्ञान प्रादर्शो के माध्यम से विज्ञान के सिद्धांतों को सीखने तथा समझने के लिए

विज्ञान पार्कों की स्थापना की गई है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में दैनिक जीवन में उपयोगी वैज्ञानिक तथ्यों की समझ व दृष्टिकोण, विश्लेषणात्मक सोच तथा रचनात्मक प्रतिभा विकसित होगी। विज्ञान पार्क की स्थापना बी. एम. बिरला साईस सेंटर, बिरला आर्कियोलॉजिकल एवं कल्चरल रिसर्च इन्स्टीट्यूट प्रभाग, हैदराबाद के माध्यम से उनके मापदंड के अनुरूप की गई है। पार्क की स्थापना संबंधित जिला कलेक्टर द्वारा चिन्हित विद्यालयों के परिसर में की जा रही है।

इन साईंस पार्को में विद्यालयीन विज्ञान पाठ्यक्रम के विभिन्न सिद्धांतों पर आधारित चलित प्रादर्श स्थापित किए गए है। जिसमें गुरूत्व केन्द्र सिद्धांत को प्रदर्शित करने हेतु एन्टी ग्रेविटी कोण, पुली के सिद्धांत हेतु लिफ्ट यूवरसेल्फ एवं पुल्ली एण्ड बेल्टस, जड़त्वाघूर्ण के सिद्धांत हेतु रैस द रोलर, पेनडुलम के सिद्धांत पर पेनडुलम पैर्टनस, न्यूटन के सिद्धांत पर न्यूटन क्रेडल, ध्वनि तरंग के सिद्धांत हेतु जाइलोफोन, कोणीय संवेग को प्रदर्शित करने हेतु ब्लैक होल, 2 डी एवं 3 डी सिद्धांत हेतु स्प्लीट पर्सनलिटी, पाइथोगोरस सिद्धांत हेतु पाइथोगोरस मॉडल, दाब के सिद्धांत हेतु आर्कमिडिज स्क्रू, स्थितिज ऊर्जा से गतिज ऊर्जा परिवर्तन हेतु रोलर कोस्टर एवं एक्रोवेटिल बॉल, डिस्ट्राटेड इमेज हेतु फन मिरर एवं कोविड-19 हेतु कोरोना वायरस प्रदर्शन बोर्ड आदि प्रादर्श स्थापित है।

इन प्रादर्शों के माध्यम से विद्यार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित विज्ञान के सिद्धांतों को आसानी से समझ पा रहे हैं। साथ ही शिक्षकों को भी इन सिद्धांतों को विद्यार्थियों को समझाने में आसानी हो रही हैं। इन विज्ञान पार्को के माध्यम से संबंधित विद्यालय एवं आस-पास के अन्य विद्यालय के छात्र-छात्राएं के अलावा नवप्रवेशी छात्र-छात्राएं भी निरंतर लाभान्वित हो रहे हैं। राज्य में कुल 12 साईंस पार्क स्थापित किए गए हैं। जिसमें रायपुर में 02, दुर्ग, नारायणपुर, धमतरी, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, रायगढ़, महासमुंद, कोण्डागांव एवं बिलासपुर के एक-एक साईंस पार्क स्थापित है।

गौठान पहुंच अभियानः प्रभारी अधिकारी करेंगे निरीक्षण

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने अगले 15 दिनों में राज्य के सभी ग्रामीण और शहरी गौठानों में गौठान प्रभारियों को निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। इस गौठान पहुंच अभियान के माध्यम से गौठान से जुड़े हुए सभी हितग्राहियों चरवाहे, स्व-सहायता के सदस्य, गोबर विक्रेता, गौठान समिति के सदस्य के सदस्यों से मिलकर गौठान में संचालित हो रही गतिविधियों, उनके उन्नयन और गौठानों को आजीविका केन्द्र के रूप में विकसित करने के उपायों के विषय में चर्चा की जाएगी। साथ ही आवर्ती चराई स्थल का भी भौतिक अवलोकन किया जाएगा। मुख्य सचिव ने प्रत्येक गौठान के लिए पृथक-पृथक गौठान प्रभारी तैनात करने कहा है। उन्होंने गौठान प्रभारियों को अपने-अपने प्रभार के गौठानों में 16 अप्रैल से पूर्व भ्रमण करके अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने कहा है। कृषि विभाग द्वारा रिपोर्ट के आधार पर गौठानों के उन्नयन के लिए जरूरी कदम उठाएं जाएंगे।

रायपुर में बेहतर बिजली सप्लाई के लिये बोरझरा में लगा नया पावर ट्रांसफार्मर

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी ने वर्तमान में गर्मी बढ़ने के साथ बढ़ते लोड की मांगपूर्ति के लिये 220 के.व्ही. उपकेन्द्र बोरझरा में तीसरा नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया है। इससे राजधानी रायपुर के सभी उपभोक्ताओं सहित औद्योगिक उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली मिलेगी। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक एसडी तेलंग के करकमलों से इसे ऊर्जीकृत किया गया। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के चेयरमेन अंकित आनंद ने इस उपलब्धि के लिये ट्रांसमिशन कंपनी की टीम को बधाई दी है। राजधानी एवं औद्योगिक क्षेत्र में बोरझरा स्थित 220 केवीए उपकेंद्र से विघुत आपूर्ति होती है।

इस उपकेंद्र की क्षमता 509 एमवीए (मेगा वोल्ट एंपीयर) थी। जिसमें 160 एमवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर और स्थापित किया गया है। जिससे इस उपकेंद्र की क्षमता बढ़कर 669 एम. वी. ए. हो गई। इस नए ट्रांसाफर्मर के उर्जीकृत होने से बोरझरा एवं उरला औद्योगिक क्षेत्र के करीब 90 हजार निम्न एवं 200 उच्च दाब उपभोक्ताओं के साथ ही साथ रायपुर शहर के घरेलू उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और भी सुदृढ़ हो गयी है। इस की लागत लगभग 9.26 करोड़ रूपये है।

दिल की बीमारी से बचने स्वस्थ जीवन-शैली और अच्छा खान-पान अपनाएं

स्वस्थ हृदय के लिए शराब, धूम्रपान, तनाव, शारीरिक निष्क्रियता और मोटापा से बचें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वस्थ शरीर के लिए स्वस्थ दिल का होना बहुत जरूरी है। हृदय की सेहत के प्रति लापरवाही बिल्कुल भी नहीं बरतना चाहिए। आधुनिक जीवन-शैली और अनियमित आहार-व्यवहार के कारण अब 30-40 साल की उम्र में ही लोगों को दिल के रोग होने लगे हैं। तम्बाकू सेवन, अस्वस्थ आहार, शारीरिक निष्क्रियता और शराब के सेवन से हृदय रोग होने का खतरा बढ़ जाता है। यदि इन कारकों पर नियंत्रण कर लिया जाए तो हृदय रोग से होने वाली 80 प्रतिशत मौतों को कम किया जा सकता है। हृदय से संबंधित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वस्थ जीवन-शैली अपनाना बहुत

जरूरी है।

स्वास्थ्य सेवाएं संचालनालय में एनपीसीडीसीएस के उप संचालक डॉ. महेंद्र सिंह ने बताया कि देश में हर वर्ष 28 प्रतिशत लोगों की मृत्यु हृदय रोगों के कारण होती है। कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, धूम्रपान, शराब का सेवन, तनाव, अनुवांशिकता, मोटापा एवं उच्च रक्तचाप हृदय रोग के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने बताया कि सीने में बेचैनी महसूस होना, कई दिनों तक अधिक कफ आना, सांस लेने में दिक्कत होना, सीने में दर्द के साथ अत्यधिक पसीना आना, चक्कर आना या सिर घूमना आदि हृदय रोग के लक्षण हो सकते हैं। इस तरह के लक्षण दिखाई देने या महसूस होने पर अपने नजदीकी चिकित्सा महाविद्यालय, जिला अस्पताल या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जाँच जरूर कराना चाहिए।

तम्बाकू, शराब व इस तरह के अन्य मादक पदार्थों को त्यागकर संयमित जीवन-शैली, स्वस्थ आहार व योग को दिनचर्या में शामिल कर हृदय रोगों से काफी हद तक बचा जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय-समय पर शिविरों के माध्यम से हृदय रोग संबंधी जांच की जाती है। विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सार्वजनिक स्थलों, अस्पतालों, स्कूल-कालेजों आदि में नागरिकों को हृदय रोग और इससे बचाव के बारे में जागरूक किया जाता है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

'बबली बाउंसर' के सेट पर सेलिब्रेट हुआ गुड़ी पड़वा पगड़ी पहन मराठी अंदाज में दिखीं तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया बीते लंबे समय से किसी फिल्म में नजर नहीं आई हैं। लेकिन अब उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। तमन्ना जल्द ही फिल्म 'बबली बाउंसर' में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन मधुर भंडारकर कर रहे हैं। आज यानी 2 अप्रैल को महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस खास दिन को फिल्म 'बबली बाउंसर' के सेट पर भी सेलिब्रेट किया गया।

फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें तमन्ना भाटिया और मधुर भंडारकर सिर पर पगड़ी पहने हुए नजर

आए। तमन्ना ने प्रिंटेंट शॉर्ट कुर्ते के साथ प्लाजो पहना है, जिसके साथ उन्होंने सिर पर पीले संग की पगड़ी पहनी हुई है। वहीं, मधुर भंडारकर ने केसरिया कलर की पगड़ी पहनी हुई। इस मौके पर दोनों के साथ फिल्म की टीम के बाकी कलाकार भी नजर आ रहे हैं। जंगली पिक्चर्स ने इस मौके का एक वीडियो भी इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें मधुर भंडारकर के साथ तमन्ना भाटिया, सौरभ शुक्ला और सुप्रिया शुक्ला नजर आ रही हैं।

खत्म हो चुका है फिल्म का पहला शेड्यूल

मधुर भंडारकर अपनी इस फिल्म का पहला शेड्यूल खत्म कर चुके हैं। 'महिला दिवस' के मौके पर सोशल मीडिया पर एक वीडियो और कुछ तस्वीरें सामने आई थीं, जिसमें तमन्ना भाटिया और मधुर भंडारकर के साथ फिल्म से जुड़े सभी लोग मस्ती करते नजर आए थे।

इन फिल्मों में किया काम

तमन्ना भाटिया साउथ इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। वह 'बाहुबली' में प्रभास के साथ नजर आई थीं। इसके अलावा, पिछले साल तमन्ना भाटिया फिल्म 'सीटीआर' में दिखाई दी थीं। तमन्ना ने वेब सीरीज 'नवंबर स्टोरी' में भी काम किया है।

अजय देवगन इन दो कारणों से नहीं मनाएंगे अपना 53वां जन्मदिन, करने वाले हैं ये खास काम

बॉलीवुड के हिट अभिनेताओं की सूची में शुमार अजय देवगन देवगन 2 अप्रैल यानी आज अपना 53वां जन्मदिन मना रहे है। बॉलीवुड का सिंघम कहे जाने वाले अजय देवगन ने अपने फिल्मी करियर में एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्में दी हैं और यह सिलसिला लगातार जारी है। अपनी फिल्मों में एक्शन हीरो के रूप में दिखाई देने वाले अजय रियल लाइफमें काफी सिंपल रहना पसंद करते हैं। यहां तक कि उन्हें अपने जन्मदिन पर केक काटना या कोई बड़ा सेलिब्रेशन करना पसंद नहीं है, हालांकि पत्नी काजोल और पूरा परिवार मिलकर उनका जन्मदिन सेलिब्रेट करता है, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, इस बार अजय देवगन यानी फैंस के चहेते एजे अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे क्योंकि इस दिन वह कुछ खास कामों में बिजी रहने वाले हैं।

जन्मदिन पर पूरे दिन व्रत करेंगे अभिनेता

अभिनेता अजय देवगन ने आज अपने जीवन का एक और पड़ाव पार कर लिया है और आज उनके जन्मदिन पर चैत्र नवरात्रि का शुभ दिन भी है। ऐसे में जाहिर तौर पर अजय देवगन पूरे दिन उपवास करेंगे। ऐसे में उनके जन्मदिन का सेलिब्रेशन होना मुश्किल लग रहा है। फिलहाल उनकी मां वीणा देवगन उनके पुराने कार्यालय में पूजा आदि की रस्मों को करेंगी, जिसे हाल ही में पुनर्निर्मित किया गया है, जिसमें अजय देवगन भी शामिल हो सकते हैं।

रनवे 34 के पोस्ट प्रोडक्शन में व्यस्त हैं अजय

अजय देवगन अपने जन्मदिन पर भी काफी व्यस्त रहने वाले हैं, क्योंकि वह अपनी आगामी फिल्म, रनवे 34 के पोस्ट-प्रोडक्शन चल रहा है। बता दें फिल्म 34 रनवे का निर्देशन भी खुद अजय देवगन ने किया है, ऐसे में अभिनेता पूरे दिन वर्किंग रहने वाले हैं। उनकी यह फिल्म ईद सप्ताह में रिलीज की जाएगी।

2019 में काटा था जन्मदिन पर केक-

इस तरह से अजय देवगन अपने जन्मदिन वाले दिन पूरी तरह से व्यस्त रहने वाले हैं हालांकि वह अपने घर पर बच्चों के साथ केक काट सकते हैं। आपको बता दें कि अभिनेता ने आखिरी बार अपने 50वें जन्मदिन पर साल 2019 में केक काटा था, क्योंकि उनके जन्मदिन के मौके पर फिल्म 'दे दे प्यार दे' का ट्रेलर लॉन्च किया गया था।

ऋषिकेश पहुंचे अमिताभ बच्चन, गंगा आरती में लिया हिस्सा

बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन के कुछ फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही हैं। वीडियो में वो उत्तराखंड के ऋषिकेश में पूजा और गंगा आरती करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके साथ चिदानंद सरस्वती भी नजर आ रहे हैं। इस दौरान ऋषिकेश में बिग बी के साथ जहां उनकी टीम मौजूद थी, वहीं स्वामी चिदानंद और उनके अनुयायी भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। इस खास मौके पर बिग बी एथनिक लुक में नजर आ रहे हैं। फैन्स बिग बी की एक झलक देखने के लिए बेताब दिखाई दिए और फोटो-वीडियो बनाते नजर आए।

अमिताभ ने भी अपने ब्लॉग में कुछ फोटोज शेयर कीं, जिसमें वो गंगा घाट के किनारे बैठे दिखाई दे रहे हैं। साथ ही उन्होंने स्वामी चिदानंद सरस्वती के साथ भी फोटो शेयर कीं। बता दें स्वामी चिदानंद सरस्वती परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष हैं। फोटोज में वो कुर्ता पायजामा और नेहरू जैकेट में नजर आ रहे हैं।

वीडियो में देखा जा सकता है कि परमार्थ निकेतन में बिग बी का स्वागत करते हुए चिदानंद ने कहा, अपनी कला के दम पर बिग बी ने कई रिकॉर्ड कायम कर देश का नाम रोशन किया है। दरअसल उत्तराखंड में बिग बी अपनी अपकमिंग फिल्म 'गुडबाय' की शूटिंग कर रहे हैं। इस वजह से बिग बी ने ऋषिकेश के गंगा घाट पहुंचे।

बॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्म रायटर बलदेव प्रसाद ने रखा फिल्म निर्देशन के क्षेत्र में कदम

पहली भोजपूरी फिल्म लव यू रानी प्रदर्शन के लिए है तैयार

बॉलीवुड के प्रसिद्ध स्क्रीप्ट रायटर एवं जाने माने निर्देशक बलदेव प्रसाद के निर्देशन एवं जय हो प्रोडक्शन के बेनर तले बनी रोमांटिक भोजपूरी फिल्म लव यू रानी अब जल्द ही प्रदर्शित होने वाली है। इसको गीत और संगीत से विनय बिहारी ने सजाया है तो कथा पटकथा बलदेव प्रसाद का ही है। फिल्म के निर्देशक बलदेव प्रसाद ने बताया कि इस फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन का काम पूरा हो चुका है और रिलीज के लिए तैयार है, उचित समय देखकर इस फिल्म को जल्द ही सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। ये वही बलदेव प्रसाद है जिन्होंने कादर खान और असरानी अभिनीत हिन्दी फिल्म ओल्ड इज गोल्ड के अलावा जान पहचान (शेखर सुमन,सुधा चन्द्रा), धर्मेन्द्र अभिनीत फिल्म डाकू भैरव सिंह, कमसीन, जुर्म को मिटा दूंगी, नरसंहार जैसी 42 फिल्मों की कहानी लिखे है। और वे लव यू रानी से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखे है। इसके अलावा वे जल्द ही अपनी दूसरी फिल्म देशभक्त और इसके साथ ही और कई फिल्मों का निर्माण के साथ ही निर्देशित करने जा रहे है जिसकी तैयारी जोरो से चल रही है।

आपको बता दें कि फिल्म लव यू रानी में तीन हिरो एवं एक हिरोईन तथा रोमांटिक विलेन होने के कारण अलग ही टवीस्ट होता है, अब तक आपने फिल्में में अलग और खुंखार टाईप के विलेन देखे है लेकिन इस फिल्म का खलनायक मजनू भैय्या भी रोमांटिक है। इसमें भोजपूरी फिल्म इण्डस्ट्रीज के जाने माने प्रसिद्ध अभिनेता शुभम तिवारी और अमित यादव, हिराईन अवंतिका यादव है तो खलनायक मजनू भैय्या (धरम सिंह) है। यह पारिवारिक फिल्म होने के साथ ही इसमें भरपूर कमेडी भी है जो दर्शको को खूब गुदगुदायेगी।

डायरेक्टर बलदेव प्रसाद ने आगे बताया कि इस फिल्म के हिरो शुभम तिवारी, आनंददेव मिश्रा, अमित यादव, हिरोईन अवंतिका यादव, खलनायक धरम सिंह है। इसके अलावा प्रमुख कलाकारों में कुणाल सिंह, मोहन जोशी, विनय बिहारी, धरम सिंह, पृथ्वी सिंह, नवीन वर्मा, राजीव रॉय, अशोक तांती के अलावा भोजपूरी फिल्मों के और भी अन्य कई जाने माने कलाकार है।

आपको बता दे कि इस फिल्म में तीन लड़के पढने़ शहर में आते है, और एक अंटी के घर पेईंग गेस्ट रहते हुए, बड़े ही कमेडी अंदाज में एक लड़की के साथ छेड़छाड़ करते है इस दौरान इस लड़की का इन लडकों से दोस्ती हो जाती है, इसी बीच फिल्म के रोमांटिक विलेन मजनू भैय्या की इन्ट्री होती है और वह इस लडकी को मन ही मन चाहने लगता है, उसके बाद जो फिल्म में ट्रेजडी होती है,वह दर्शको को खूब पसंद आयेगी। अब इस ट्रेजडी को और ये लड़की फायनली किसकी होती है,यह तो, फिल्म देखने को बाद ही दर्शको को पता चलेगा। इसके लिए दर्शको को सिनेमा घरों तक आना पड़ेगा। फिल्म के निर्देशक बलदेव प्रसाद का कहना है कि आज हर आदमी परेशान है, लोगों को सुकुन और साफ सुथरा मनोरंजन चाहिए। इसी को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार की फिल्म का निर्माण किया हूं ताकि लोगों में एक संदेश के साथ ही उनका बढिया मनोरंजन भी हो सके।

करियर के शुरुआत में रेमो ने भूखे पेट गुजारी थीं कई रातें, इस गाने से बदल गई जिंदगी

रेमो डिसूजा फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर कोरियोग्राफर-डायरेक्टर हैं। अपने डांस स्टेप से वह अब तक कई बड़े फिल्मी सितारों को नचा चुके हैं। इनमें ऋतिक रोशन, शाहिद कपूर, सलमान खान जैसे सितारे शामिल हैं। हालांकि यह मुकाम उन्होंने रातोंरात हासिल नहीं किया। इसके लिए उन्हें लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा। करियर के शुरुआती दौर में रेमो के पास पैसों की काफी कमी रहती थी जिसकी वजह से उन्होंने कई रातें भूखे रहकर गुजारी हैं। लेकिन कड़ी मेहनत और कुछ कर दिखाने के जज्बे के साथ वह इस बुलंदी तक पहुंचे हैं। कोरियोग्राफी के अलावा उन्होंने कई फिल्मों को डायरेक्ट भी किया है। इनमें से कई फिल्मों को लोगों ने काफी पसंद किया है।

आमिर खान और उर्मिला मातोंडकर की फिल्म रंगीला को रेमो के करियर का टर्निंग प्वाइंट माना जाता है। इस फिल्म में उन्हें डांस करने का मौका मिला और

उनके करियर की गाड़ी दौड़ पड़ी। इस गाने के बाद रेमो अहमद खान के असिस्टेंट बन गए। बाद में उन्होंने सोनू निगम के एल्बम को भी कोरियोग्राफ किया। इस एल्बम से रेमो का काम लोगों को काफी पसंद आया और उन्हें लगातार प्रोजेक्ट मिलने लगे। संजय दत्त की फिल्म कांटे का आइटम सॉन्ग इश्क समंदर को कोरियोग्राफ करके उन्हें जबरदस्त लोकप्रियता हासिल हुई।

मिथुन ने किया था हैरान कर देने वाला खुलासा

रेमो डिसूजा कई रियलिटी शो में बतौर जज नजर आ चुके हैं। एक शो को जज करते समय मिथुन चक्रवर्ती ने उनके बारे में एक हैरान कर देने वाला खुलासा किया था। मिथुन ने बताया था कि रेमो अपनी पत्नी लिजेल को दिन में 100 बार मिस्ड कॉल करते हैं। इस पर रेमो ने बताया था कि संघर्ष के दिनों में वह ऐसा करते थे, क्योंकि उस समय कॉल बहुत महंगी हुआ करती थी।

अपने करियर में रेमो ने कई हिट गानों को कोरियोग्राफ किया जिसके लिए उन्हें कई अवॉर्ड भी मिल चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने कई फिल्मों का निर्देशन किया है जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही हैं। उनके करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म एबीसीडी-2 है। इस फिल्म में वरुण धवन ने लीड रोल निभाया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया था। इसके अलवा उन्होंने एबीसीडी, फालतू और रेस 3 का भी निर्देशन किया है।

'द कश्मीर फाइल्स' के बाद अब 'लंदन फाइल्स' कई गहरे राज़ो से उठने वाला है पर्दा

कश्मीरी पंडितों के ऊपर हुए अत्याचारों के कई अनकहे राज़ों को उजागर करती हुई फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' ने बड़े पर्दे पर तहलका मचा कर रख दिया है, फिलहाल अब ओटीटी पर भी एक रोमांचक और सस्पेंस से भरी हुई वेब सीरीज 'लंदन फाइल्स' रिलीज के लिए तैयार है। 'लंदन फाइल्स' एक इनवेस्टिगेटिव वेब सीरीज सीरीज है, जिसमें बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल मुख्य भूमिका में दिखाई देने वाले हैं। जो एक डिटेक्टिव बनकर एक के बाद एक रहस्यों पर से पर्दा उठाएंगे।

क्राइम थ्रिलर के साथ राजों को उजागर करती लंदन फाइल्स

वेब सीरीज लंदन फाइल्स में अर्जुन रामपाल एक ऐसे जासूस ओम सिंह के किरदार में हैं जो अपनी निजी परेशानियों से जूझते हुए, अपनी प्रोफेशनल लाइफ में एक हत्याकांड की इन्वेस्टिगेशन कर रहा है। इस सीरीज में ओम यानी अर्जुन रामपाल राजनीतिक रूप से विभाजित लंदन शहर में एक लापता व्यक्ति के मामले को लेता है और इसी बीच उसे मीडिया मोगुल अमर रॉय की लापता बेटी के मामले को लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। जैसे ही ओम मामले की जांच शुरू करता है, एक गहरा रहस्य सामने आता है। एक जो दबे हुए रहस्यों और ओम के अतीत को उजागर करने की धमकी देता है। इस तरह से यह सीरीज कई छिपे हुए राज़ो से पर्दा उठने को तैयार है।

ड्रामा और सस्पेंस भरी 'लंदन फाइल्स' में नजर आएंगे ये सितारें

पूरब कोहली द्वारा अभिनीत सीरीज 'लंदन फाइल्स' में दर्शकों को बेहतरीन ड्रामा और सस्पेंस से भरपूर एंटरटेनमेंट मिलने वाला है। अगर बात करें स्टार कास्ट की तो इस सीरीज में अर्जुन रामपाल के अलावा सपना पब्बी, मेधा राणा, गोपाल दत्त, सागर आर्य और ईवा जेन विलिस भी अहम भूमिकाओं में हैं।

इस दिन ओटीटी पर रिलीज होगी 'लंदन फाइल्स'

सचिन पाठक द्वारा निर्देशित और जार पिक्चर्स द्वारा निर्मित, वेब सीरीज लंदन फाइल्स को ओटीटी प्लेटफॉर्म वूट पर रिलीज किया जाएगा। दर्शकों को सस्पेंस और थ्रिलर का डोज देने के लिए लंदन फाइल्स वेब सीरीज 21 अप्रैल 2022 को रिलीज के लिए तैयार है। इस सीरीज के कुल छह-एपिसोड हैं।

बर्खास्त हुए रिया चक्रवर्ती की जांच करने वाले एनसीबी अफसर

सुशांत सिंह राजपूत और रिया चक्रवर्ती ड्रग्स मामले की जांच करने वाले नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई के इंटेलीजेंस अधिकारी विश्वनाथ तिवारी को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। बता दें कि सुशांत की मौत के बाद विश्वनाथ तिवारी ही केस से जुड़े सेलेब्रिटीज की जांच कर रहे थे।

इन आरोपों की वजह से हुए बर्खास्त

एनसीबी के अधिकारी विश्वनाथ तिवारी पर बिना इजाजत विदेश यात्रा करने और काला धन लेने का आरोप लगाया गया है। मामले के सामने आने के बाद विजिलेंस जांच हुई और तथ्य के आधार पर दिल्ली एनसीबी हेडक्वार्टर से तिवारी के बर्खास्तगी के ऑर्डर जारी कर दिए गए थे।

आर्यन खान ड्रग केस

2021 के मुंबई क्रूज ड्रग मामले में एक स्वतंत्र गवाह प्रभाकर सेल को दिल का दौरा पड़ा और शुक्रवार दोपहर माहुल इलाके में उनके किराए के अपार्टमेंट में उनकी मृत्यु हो गई।उसका प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता तुषार खंडारे ने यह कहते हुए मौत की पुष्टि की कि सेल घर पर था और परिवार को उसकी मौत के पीछे किसी साजिश का संदेह नहीं था।

खास खबर

पोषण पखवाड़ा पोषण अभियान के तहत विद्यालयीन छात्राओं को दी जानकारी

धमतरी। पोषण पखवाड़ा पोषण अभियान के चतुर्थ वर्षगांठ के अवसर पर शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय मुजगहन धमतरी में विद्यालयीन छात्राओं एवं शिक्षिकाओं की उपस्थिति में कार्यक्रम मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में उपस्थित छात्राओं को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अंजू साहू ने एनीमिया की जानकारी दी वहीं श्रीमती कविता ध्रुव द्वारा पोषण के पांच सूत्र की विस्तृत जानकारी दी गई तथा श्रीमती दिनेश्वरी ध्रुव ने सृजग विडियो की 39वीं कड़ी ''रूत की रीत'' कार्यक्रम सुनाया गया तथा विभिन्न पहलुओं के माध्यम से भी जानकारी दी गई। पोषण अभियान कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिक्षिका श्रीमती संगीता देवांगन, श्रीमती किरणबाला गंजीर सहित विद्यालय की छात्राएं कुमारी हेमलता, प्राची, प्रीद्या, शेष कुमारी, खुमेश्वरी, वेदिका, देविका, रुबीना, बबीता, अंजलि ,चित्रलेखा ,साक्षी, जीनत, देविका, लीना, सेजल ,डाली, कुमकुम ,रेणुका ,रुचि, सपना, निशा ,श्वेता, नीतू, अंजलि, योगिता नगारची, योगिता साहू , तेजस्विनी, केसीमा, टिकेश्वरी ,पूनम ,यामिनी, झरना ,मनीषा, टामिन, लालिमा मुख्य रूप से उपस्थित होकर पोषण अभियान के तहत जानकारियों से अवगत हुए।

दपूमरे की 20वां स्थापना दिवस के अवसर पर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

बिलासपुर। दिनांक 01 अप्रैल' 2022 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने अपनी स्थापना के 19 वर्ष पूर्ण कर 20वें वर्ष में कदम रखा है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की स्थापना 01 अप्रैल 2003 को तत्कालीन माननीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के करकमलों द्वारा की गई थी । 20वां स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इसी कड़ी में प्रातः नार्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट ग्राउंड में स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया, जिसमें तीनों रेल मंडलो बिलासपुर, रायपुर एवं नागपूर में हुए खेल प्रतियोगिताओं के आज फाइनल मैच का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर रेल मंडलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसके साथ ही इस अवसर पर एनईआई ग्राउंड में वृक्षारोपण का आयोजन किया गया था, जिसमें महाप्रबंधक आलोक कुमार, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो) की अध्यक्षा, मती वनिता जैन सहित सभी विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों ने वृक्ष रोपित किए तथा मुख्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया ।

बनारस रेल इंजन कारखाना ने 367 रेल इंजन का उत्पादन कर बनाया रिकॉर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली(पीआईबी)। बनारस रेल इंजन कारखाना ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान अब तक के सर्वाधिक रेल इंजनों का निर्माण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर रचा इतिहास । इस वित्तीय वर्ष मोजाम्बिक को निर्यात 04 रेल इंजनों सहित कुल 367 रेल इंजनों का निर्माण किया गया, जो अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है । इन 367 रेल इंजनों में यात्री रेल इंजन डब्ल्यूएपी77 कुल 31, मालवाहक रेल इंजन डब्ल्यूएजी9 कुल 332 एवं मोजाम्बिक हेतु 04 रेल इंजन सम्मिलित हैं ।

साथ ही बरेका ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में निर्यातीत लोको से 60.68 करोड़ एवं वर्ष 2011 से अब तक कुल 704 करोड़ तथा गैर रेलवे ग्राहकों से वर्ष 2011 से अब तक 1837 करोड़ राजस्व की प्राप्ति की । वर्ष 2021-22 में बरेका ने निर्यातित रेल इंजनों के पूर्जों से 6.09 करोड़ राजस्व की प्राप्ति की जो पिछले वर्ष 2020-21 में 1.08 करोड़ थी जो पिछले वर्ष की तुलना में 464 प्रतिशत अधिक है । इसी प्रकार गैर रेलवे ग्राहकों से रेल इंजनों के पूर्जों के आपूर्ति से 16.4 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई जो पिछले वर्ष 2020-21 में 8.29 करोड़ थी, जो तुलनात्मक रूप से 98.6 प्रतिशत अधिक रहा । क्रैंक-केस असेंबली, जो रेल इंजन का सबसे महत्वपूर्ण आइटम है, इसे बरेका में इन-हाउस बनाया गया है। इन इंजनों को वर्तमान में कोयला खदानों से कोयला ढोने के लिए भिन्न-भिन्न इकाइयों में सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

इन इंजनों का उद्घाटन औपचारिक रूप से मोजाम्बिक के राष्ट्रपति ने 11 फरवरी 2022 को बीरा, मोजाम्बिक में जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति और भारत के उच्चायुक्त की उपस्थिति में किया था। इस प्रकार बनारस रेल इंजन कारखाना एक भरोसेमंद भागीदार और लोकोमोटिव निर्माण ब्रांड के रूप में विश्व पटल पर आया । परिणामस्वरूप, मेसर्स राइट्स के अधिकारियों के साथ जिम्बाब्वे के राष्ट्रीय रेलवे की पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत का दौरा किया।

महाप्रबंधक बरेका अंजली गोयल ने जिम्बाब्वे बोर्ड के अध्यक्ष एनआरजेड एडवोकेट मार्टिन तफारा दीन्हा, बोर्ड के सदस्य इलेश कुमार पटेल, महाप्रबंधक सुरेस्पिना ज़िनांडुको, ट्रैक्शन एंड क्वालिटी लवमोर कटोन्हा और क्षेत्रीय अभियंता त्सेत्सी एनडलोवु को बैठक के दौरान बधाई दी। राइट्स और उन्हें अपने निर्यात आदेशों को पूरा करने में पूर्ण समर्थन और मुस्तैदी का आश्वासन दिया। महाप्रबंधक बरेका ने ज़िम्बाब्वे की टीम को यह भी आश्वासन दिया कि बरेका ज़िम्बाब्वे के राष्ट्रीय रेलवे के आर्थिक विकास और आधुनिकीकरण में भाग लेने के लिए बहुत उत्सुक है। ज़िम्बाब्वे के राष्ट्रीय रेलवे की टीम ने बरेका में उपलब्ध निर्माण सुविधाओं को देखने के लिए दिनांक 29.03.2022 को बनारस रेल इंजन कारखाना का दौरा किया।

इस अवसर पर बरेका के उच्चाधिकारियों की टीम के साथ प्रतिनिधियों की बैठक हुई। बैठक के दौरान, बरेका की क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया और जिम्बाब्वे के प्रतिनिधिमंडल को निर्यात किए गए लोको के विवरण से अवगत कराया गया।

इसके बाद, उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बरेका कार्यशाला की विभिन्न शॉप जैसे न्यू ब्लॉक शॉप, इंजन टेस्ट शॉप, लोको असेंबली शॉप आदि का दौरा किया। शॉप के दौरे के दौरान, प्रतिनिधिमंडल को लोकोमोटिव के निर्माण में शामिल निर्माण के विभिन्न चरणों से अवगत कराया गया एवं बरेका में उपलब्ध अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं को भी दिखाया गया।

राज्यपाल सुश्री उइके विद्यार्थियों के साथ परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में हुई शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर (पीआईबी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संबोधित किए गए ''परीक्षा पे चर्चा'' कार्यक्रम को राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने स्कूली विद्यार्थियों के साथ राजभवन के कांफ्रेंस हॉल में सुना। राजभवन ने विद्यार्थियों को कार्यक्रम के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आगामी परीक्षाओं को देखते हुए ''परीक्षा पे चर्चा'' के माध्यम से देश भर के विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए सवालों के सार्थक जवाब दिए और परीक्षा अवधि में तनाव प्रबंधन, पढ़ाई के तरीकों, सफलता और असफलता का द्वंद, अभिभावकों व शिक्षकों की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप राजभवन सचिवालय द्वारा छात्र-छात्राओं के लिए राज्यपाल सुश्री उइके के साथ परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम सुनने हेतु आवश्यक व्यवस्था की गई थी।

संवाद कार्यक्रम में परीक्षा को लेकर होने वाले तनाव के संबंध में विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये सवालों के जवाब देते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि परीक्षा हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। ये हमारे जीवन का एक पड़ाव मात्र है। हमें इससे डरने की नहीं बल्कि आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। आप किसी भी अन्य विद्यार्थी की क्षमता और पढ़ाई से अपनी तुलना मत कीजिए। सभी की अपनी अलग-अलग क्षमता और विशेषता होती है। ऑनलाईन शिक्षण की सीमाओं तथा सोशल मीडिया के लत पर बोलते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि समस्या ऑनलाईन या आफ्लाईन माध्यम की नहीं बल्कि, हमारे मन की है। यदि हम अपने मन पर नियंत्रण रखें और अनुशासन का पालन करें तो आनलाईन शिक्षा ज्ञान का अथाह सागर है। ऑनलाईन हमें ज्ञान पाने के तो ऑफ्लाईन हमें उस ज्ञान को व्यवहार में लाने का अवसर देता है। तकनीक को हमें अवसर के रूप में देखना चाहिए न कि चुनौती के रूप में। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा जिस प्रकार हम आजकल मोबाईल से जुड़े रहते हैं। हमें जीवन में खुद से भी जुड़ना चाहिए। यह अपनी क्षमता को पहचानने और खुद को समझने का अवसर देता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस नीति में शिक्षा से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान किया गया है। यह नीति भारत के लाखों लोगों के परिश्रम का परिणाम है। इसमें उन विद्यार्थियों को भी अवसर दिया गया है जो अपनी पढ़ाई के विषयों में परिवर्तन करना चाहते हैं। ज्ञान के साथ कौशल को भी प्राथमिकता में रखा गया है। अभिभावकों की अपेक्षाओं और बच्चों पर अनावश्यक दबाव के संबंध में विद्यार्थियों के प्रश्नों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हर बच्चे का अपना विशेष सामर्थ्य होता है। अभिभावकों और शिक्षकों को उस सामर्थ्य को पहचानने की आवश्यकता है। बच्चों पर अपने अधूरे सपनों को न थोपें बल्कि उनके सपनों को पूरा करने में सहायता करें। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप जिस भी तरीके से पढ़ाई करने में सुविधा महसूस करते हैं, उसी तरीके से पढ़ाई करें। किसी भी अनावश्यक दबाव से दूर रहें।

सवाल के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा कि मोटीवेशन के लिए कोई इंजेक्शन या फार्मूला नहीं होता है। आप किसी मोटिवेशन या सहानुभूति की तलाश न करें वह केवल कुछ पल की खुशी देता है। आप अपनी क्षमताओं को स्वयं पहचानें, स्वयं उस कारण को खोजें जो आपको आनंदित और मोटिवेटेड रखता है और उसी पर निरंतर कार्य करें और आगे बढ़ें। अपने चारों ओर लोगों को देखें कि वे किस तरह कड़ी मेहनत से अपने लक्ष्य को पूरा करते हैं, उनसे प्रेरणा लें और अपनी क्षमता और कौशल को बढ़ाएं।

जशपुर से निकलकर देश के दूसरे हिस्सों में पहुंचा पौष्टिक और स्वादिष्ट काजू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में अब परम्परागत खेती से अलग कृषि क्षेत्र में अनेक नवाचार हो रहे हैं। इसी कड़ी का हिस्सा जशपुर में होने वाली काजू की खेती है। यहां जिले के करीब आठ हजार किसान काजू की खेती से जुड़े हैं और बेहतर आय प्राप्त कर रहे हैं। इसी तरह जिले में स्थापित काजू प्रोसेसिंग यूनिट के जरिए भी रोजगार मिल रहा है, जिनसे महीने में लगभग 28-30 हजार रुपये तक आमदनी हो रही है। जशपुर काजू अपनी पौष्टिकता और स्वाद की वजह से विशेष पहचान बना रहा है, जिससे अब इसकी डिमांड राज्य के अन्य शहरों के साथ ही देश के दूसरे राज्यों में भी हो रही है। जशपुर काजू को बाजार तक पहुंचाने का माध्यम ट्राइफेड बन रहा है।

छत्तीसगढ़ के उत्तरी क्षेत्र में मौसम मैदानी और दक्षिणी क्षेत्रों से अलग है। जशपुर में मौसम की अनुकूलता को देखते हुए जिला प्रशासन जशपुर में परम्परागत खेती से अलग बागवानी और उद्यानिकी फसलों को प्रोत्साहित कर रही है। इस क्रम में जशपुर में चाय और काजू की खेती का नवाचार हुआ। जशपुर की आबोहवा काजू की

खेती के लिए बेहद अनुकूल है, ऐसे में लगातार यहां काजू की खेती की ओर किसान आकर्षित हो रहे हैं। इसके लिए उद्यानिकी विभाग की ओर से किसानों को उन्नत किस्म के काजू के पौधे और उन्नत कृषि की तकनीकी जानकारी मुहैया कराई जा रही है। जिले में काजू की उत्पादकता को देखते हुए जिला प्रशासन के सहयोग से यहां काजू प्रोसेसिंग प्लांट भी स्थापित कर दिया गया है।

काजू प्रोसेसिंग प्लांट लगने के बाद से किसानों को फसल की तिगुनी-चौगुनी कीमत भी मिलने लगी है। मिली जानकारी के मुताबिक पहले किसान 30-40 रुपये प्रति किलो की दर से काजू का फल बेचते थे। अब जिले में ही प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित होने के बाद किसानों से काजू की फसल 80, 100 और 120 रुपये की दर से खरीदी जा रही है। प्रोसेसिंग प्लांट में काजू के प्रसंस्करण और पैकेजिंग के बाद इसे बाजार में भेजा जाता है।

काजू की खेती और प्रसंस्करण के बाद बाजार में मिलने वाली कीमत को देखते हुए जिले में लगातार किसान काजू की फसल लेने लगे। जानकारी के मुताबिक जशपुर जिले के अंतर्गत दुलदुला में दो हजार किसान, कुनकुरी में दो हजार, कांसाबेल में एक हजार, पत्थलगांव में 800 और फरसाबहार में 500 किसान काजू की खेती कर रहे हैं।

वहीं वन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग की ओर से किए गए काजू प्लांटेशन से करीब डेढ़ हजार किसान जुड़कर खेती कर रहे हैं। इस तरह से लगभग आठ हजार किसान काजू की खेती से जुड़कर आय प्राप्त कर रहे हैं।

विदेशी निवेशकों के लिए भारत आकर्षण का केन्द्र : गोयल

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली(पीआईबी)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज राज्यसभा में कहा कि दुनिया में भारत आकर्षक निवेश स्थल बना हुआ है और कई देश यहां अपना व्यापार बढाना चाहते हैं। गोयल ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि पिछले छह साल से देश में रिकार्ड प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आ रहा है और इसमें वृद्धि हो रही है। दुनिया भारत को आकर्षक निवेश स्थल के रुप में देख रहा है। संयुक्त अरब अमीरात के कई निवेशक निवेश के अधिक प्रस्ताव दे हे हैं। विदेशी निवेशकों के साथ बातचीत चल रही है ।

ब्रिटेन , यूरोपीय संघ , कनाडा और इजरायल अपना व्यवसाय बढाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि देश में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना चलायी जा रही है और इसके तहत दो लाख करोड़ रुपये दिया जाना है। मोबाइल निर्माता कम्पनी एप्पल 10 हजार करोड़ रुपये निवेश करना चाहती है।

तेल शोधन के क्षेत्र में भी विदेशी निवेश के प्रस्ताव आये हैं । उन्होंने कहा कि सरकार अगले 25 साल में देश को समृद्ध बनाने की योजना पर कार्य कर रही है । उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में

मल्टी माडल लॉजिस्टीक हब बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है और इसके लिए 1183 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया है जिसमें से 911 एकड़ जमीन मिल गयी है।

करीब 205 एकड़ जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है । यहां 105 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण किया जाना है और पानी उपलब्ध कराने का प्रावधान भी किया जाना है । यहां एक नहर का भी निर्माण किया जाना है । उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने इसके लिए 853 करोड़ रुपये की राशि जारी कर दी है ।

आईआरईडीए ने 3000 इलेक्ट्रिक कारें खरीदने के लिए ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी को 268 करोड़ दिए

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली (पीआईबी)। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए, भारत में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (आईआरईडीए) ने 3,000 इलेक्ट्रिक कारों की खरीद के लिए ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी के लिए 267.67 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर किया है।

ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी इस पूंका उपयोग 3,000 इलेक्ट्रिक कारों की खरीद के लिए करेगी, जिससे इसके इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ेगी। आईआरईडीए ने कंपनी को 267.67 करोड़ रुपये के स्वीकृत ऋण में से 35.70 करोड़ रुपये की पहली किश्त जारी की है।

सहयोग के बारे में

आईआरईडीए के सीएमडी प्रदीप कुमार दास ने कहा, आईआरईडीए में हमारा मानना है कि भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के विकास की भारी संभावना है। ब्लूस्मार्ट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है, और हम उनकी टीम का समर्थन करते हैं। इस क्षेत्र में और भारत को एक स्वच्छ और हरित देश बनाने की दिशा में यह हमारा पहला बड़ा निवेश है। आईआरईडीए देश में परिवहन को स्वच्छ स्रोतों तक ले जाने की प्रगति को गति देने के लिए और अधिक इलेक्ट्रिक वाहन परियोजनाओं के लिए धनराशि प्रदान करने की उम्मीद करता है। यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उत्सर्जन को कम करने में मदद करने के कंपनी के प्रयास का हिस्सा है।

आईआरईडीए के बारे में: भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (आईआरईडीए) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत भारत सरकार का उद्यम मिनी र प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा विस्तार के लिए समर्पित भारत का अग्रणी वित्तीय संस्थान है। 1987 में अपनी स्थापना के बाद से, आईआरईडीए ने भारत में अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के सबसे बड़े हिस्से को वित्तीय सहायता प्रदान की है। आईआरईडीए ने अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता क्षेत्र में परियोजनाओं के लिए पिछले कुछ वर्षों में कुल 1,20,522 करोड़ (लगभग) रुपये की मंजूरी दी है और 77,946 करोड़ (लगभग) रुपये वितरित किए हैं और 31 मार्च, 2022 तक देश में 19,453 मेगावाट से अधिक आरई क्षमता का सहयोग किया।

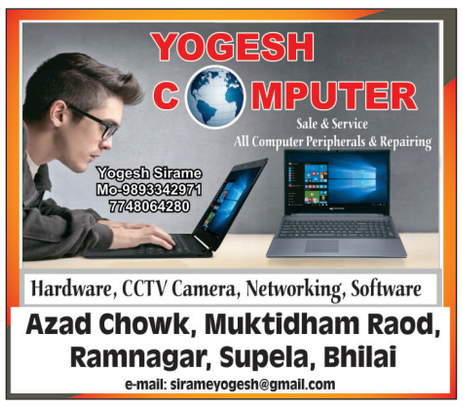

खास-खबर

सड़क दुर्घटना में पति-पत्नी की मौत: परिवार सहित ससुराल जा रहे मोपेड सवार को कंटेनर ने मारी टक्कर, दो बच्चों की हालत गंभीर

दुर्ग (ए)। दुर्ग जिले में हुई सड़क दुर्घटना में दंपती की मौत हो गई और उनके दो बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है। अंडा पुलिस ने सड़क दुर्घटना का मामला दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने चक्काजाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस और कुछ नेताओं ने भीड़ को समझाया इससे विरोध खत्म हुआ। अंडा थाना प्रभारी के मुताबिक ग्राम डौकीडीह निवासी नोहर लाल साहू (30 साल) अपनी पत्नी दामिनी साहू (24वर्ष) व दो बच्चों को लेकर अपने ससुराल ग्राम कोनारी जा रहा था। वह लोग मोपेड में सवार होकर जैसे ही ग्राम अंडा आबादी पारा फुंडा मार्ग पर रिसामा गांव के पास पहुंचे सामने से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर के चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। दुर्घटना में पति और पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उनके दोनों बच्चों को गंभीर चोटें आई है। आसपास के लोगों ने तुरंत 112 की मदद से बच्चों को अस्पताल भिजवाया और पुलिस को फोन किया। खबर लगने पर अंडा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों के शव की शिनाख्त कर उसे पीएम के लिए अस्पताल भेजा।

सीमेंट दुकान में चोरी के आरोपित पकड़े गए, महिला कबाड़ी भी गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। सीमेंट दुकान में चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने चोरी का सामान महिला कबाड़ी के पास बेचा था। पुलिस ने चोरी का सामान जब्त कर कबाड़ी को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। सरकंडा थाना प्रभारी परिवेश तिवारी ने बताया कि साइंस कालेज रोड स्थित डबरीपारा निवासी संजय जायसवाल(50) व्यवसायी हैं। उनकी डबरीपारा में अमन ट्रेडर्स के नाम से सीमेंट दुकान है। रविवार की दोपहर वे दुकान बंद कर अपने घर चले गए।

सोमवार की सुबह दुकान में आए तो दरवाजा अंदर से बंद था। चोरी की आशंका पर वे छत गए तो टीन शेड उखड़ा था। छत के रास्ते घुसे चोरों ने सीसीटीवी, डीवीआर, कटर व ड्रिल मशीन समेत कई सामान पार कर दिया था। इसकी शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही थी। इस दौरान पता चला कि डबरीपारा निवासी हर्ष शर्मा(29) व राहुल साहू(20) ने चोरी का सामान खपरगंज में बेच दिया है। इस पर पुलिस ने संदेही युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। युवकों ने चोरी का सामान कबाड़ी सईदा बेगम(42) को बेचने की जानकारी दी। कबाड़ी के कब्जे से चोरी का सामान जब्त कर पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

सेंधमारी कर फैक्ट्री से इंडस्ट्रियल मोटर ले गए चोर

बिलासपुर (ए)। सिरगिट्टी क्षेत्र के सिलपहरी औद्योगिक क्षेत्र में रहने वाले ओमप्रकाश पांडेय हनुमंत एलाज फैक्ट्री में मैनेजर हैं। उन्होंने अपनी शिकायत बताया कि फैक्ट्री के 15 इंडस्ट्रियल मोटर को स्टोर में रखा गया था। बुधवार की रात वे अपने घर चले गए। गुर्स्वार की सुबह वे फैक्ट्री में आए। इस दौरान उनके सुरक्षा

कर्मी ने बताया कि बाउंड्री के पीछे दीवार में छेदकर घुसे चोरों ने स्टोर से मोटर पार कर दिया है। उन्होंने इसकी शिकायत सिरगिट्टी थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही है।

धमतरी में नाव पलटने से 2 लड़कियां डूबीं

डैम में बोटिंग के दौरान हादसा,5 को बचाया गया, दोनों का अब तक नहीं लगा पता

धमतरी (ए)। धमतरी में शुक्रवार दोपहर डैम में नाव पलटने से दो लड़कियां डूब गईं। दोनों का अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम उन्हें तलाश करने में जुटी है। दोनों लड़कियां 5 अन्य लोगों के साथ बोटिंग के लिए गई थीं। बाकी सबको बचा लिया गया है। बताया जा रहा है कि सभी लोग गरियाबंद से एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए आए थे।

जानकारी के मुताबिक, 3 लड़के और 4 लड़कियां शुक्रवार दोपहर को सोंढूर डैम घूमने के लिए गए थे। सातों लोग डैम में बोटिंग के बाद लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक से नाव में पानी भरना शुरू हो गया। यह देख साथ आए लड़कों में से दो ने नदी में छलांग लगा दी। दोनों के कूदने से झटके के चलते नाव पलट गई और सभी लोग डैम में डूबने लगे। हादसा होते देख आसपास के लोगों ने शोर मचाया।

इसके बाद कुछ लोग पहुंचे और उन्होंने डूब रहे लोगों को बचाने का प्रयास किया। इसमें 5 लोगों की जान बच गई, लेकिन 15 साल की बिंदिया नागेश पुत्री रामधीन नागेश और 14 साल की मोनिका नेताम पुत्री बिसाहू नेताम दोनों डैम में बह गए। इस पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम दोनों बच्चियों को तलाश कर रही है, लेकिन उनका पता नहीं लगा है।

बोटिंग करने गए सभी की उम्र 14 से 22 साल

इस हादसे में एक लड़की को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी लोगों की उम्र 14 से 22 साल के बीच है। यह सभी गरियाबंद के धवलपुर के रहने वाले हैं। ये धमतरी के बेलरबाहार में एक शादी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे। फिलहाल नगरी एसडीओपी मयंक रणसिंह और मेचका थाना प्रभारी मथुरा सिंह ठाकुर टीम के साथ मौके पर मौजूद हैं।

रायपुर में आइपीएल सट्टा खिलाते 13 खाइवाल गिरफ्तार 69 मोबाइल, सात लैपटाप व करोड़ों की सट्टा-पट्टी जब्त

तेलीबांधा और आजाद चौक पुलिस की टीम ने कार्रवाई की

रायपुर (ए)। राजधानी में एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट और दो थानों की पुलिस ने क्रिकेट सट्टा के दो बड़े खाइवाल गिरधर खटवानी, राहुल खण्डेलवाल समेत 13 को पकड़ा है। सटोरिए नागपुर और मुंबई से लाइन लेकर किराए के मकान में सट्टा संचालित कर रहे थे। इनके पास से दो लाइन लेने वाली मशीन, 69 नग मोबाइल, सात नग लैपटाप, 47,100 रुपये नकदी, करोड़ों रुपये की सट्टा-पट्टी का हिसाब आदि जब्त किया गया है। इससे पहले भी क्रिकेट सट्टा खिलाते पकड़े जा चुके हैं। पकड़े गई आरोपितों से कुछ और लोगों के नाम मिले हैं, जिन पर जल्द शिकंजा कसा जाएगा। पुलिस ने इस आइपीएल सीजन की पहली कार्रवाई की है। पुलिस से मिली

जानकारी के अनुसार, तेलीबांधा इलाके में गिरधर खटवानी और आजाद चौक क्षेत्र में राहुल खंडेलवाल उर्फ बाबू किराए पर मकान लेकर क्रिकेट मैच सट्टा खिला रहे थे। गुरुवार को चेन्नाई सुपर किंग और लखनऊ सुपर जाइंट के मैच के दौरान लाइन के जरिए क्रिकेट सट्टा का संचालन चल रहा था। मुखबिर की सूचना पर एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट, थाना तेलीबांधा और आजाद चौक पुलिस की टीम ने कार्रवाई की।

तेलीबांधा पुलिस ने स्कायी गार्डन स्थित एक मकान से गिरधर खटवानी, हीरा आडवानी, पारस मानिकपुरी, मोहित शिवहरे, ताराचंद नागदेव, आशीष शिवहरे और भारत तोलवानी को पकड़ा। इधर, आजाद चौक की पुलिस ने रामसागर पारा स्थित एक मकान से राहुल खंडेलवाल उर्फ बाबू, आमिर अहमद, सुधांशु जुमडे, मोहसिन बकाली, संजय भट्ट, अच्यूतम तिवारी उर्फ वासु को धर दबोचा।

यह हुआ बरामद

सटोरियों के कब्जे से 69 नग मोबाइल, सात नग लैपटाप, पांच नग एलईडी टीवी, चार नग की-बोर्ड, एक नग प्रिंटर, दो नग कैक्यूलेटर, दो नग लाइन लेने वाली मशीन, 47,100 रुपये नकदी और करोड़ों रुपये की सट्टा-पट्टी का हिसाब जब्त किया गया है।

रामपुर शराब दुकान में महिलाओं ने जड़ा ताला, किया चक्का जाम

कोरबा (ए)। रामपुर शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग को लेकर 10 दस दिन से धरने पर बैठी महिलाओं ने आरपार की लड़ाई का निर्णय लेते हुए शुक्रवार को दोपहर तीन बजे दुकान में ताला जड़ दिया। नाराज महिलाओं ने पूर्व गृहमंत्री व रामपुर के विधायक ननकीराम की उपस्थिति में पहले शराब दुकान के कर्मचारियों को बाहर निकाल कर ताला जड़ा फिर बीच सड़क में बैठ कर चक्का जाम कर दिया।

शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर रामपुर पथर्रीपारा सहित महिलाएं 22 मार्च से धरने पर बैठी महिलाओं के आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया है। पहले दिन महिलाओं ने शराब खरीदने पहुंच रहे लागों को फूल देकर गांधीगीरी करते हुए शराब दुकान बंद करने के लिए सहयोग मांगा था। प्रदर्शन के दौरान छठवें दिन प्रशासन की टीम महिलाओं को समझाइस देने पहुंची। तब अधिकारियों ने महिलाओं से कहा था कि प्रशासन की ओर से नए स्थल की तालाश की जा रही है, जैसे ही जगह चयनित होगी दुकान को स्थानांतरित कर दिया जाएगा। महिलाओं ने अधिकारी को दो टूक में जवाब देते हुए कह दिया था कि जब तक दुकान स्थानांतरित नहीं की जाएगी तब तक वे दुकान के सामने से नहीं हटेगीं। शुक्रवार की सुबह से महिलाओं ने दुकान के सामने बांस की बेरीकेट लगाकर दुकान में आने जाने वालों को रोक दिया।

रायपुर के अलग-अलग मकानों में घुसकर मोबाइल चोरी करने वाला चोर और दो खरीदार गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर शहर के अलग-अलग मकानों से मोबाइल चोरी करने वाले चोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। चोरी के मोबाइल फोन खरीदने वालों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित अंकित मिश्रा के पास से चोरी के नौ मोबाइल और नकदी रकम जब्त की गई है। अंकित पूर्व में भी चोरी के कई मामलों में जेल जा चुका है। वहीं गौरव उर्फ नरेश अम्बवानी और मुकेश साहू उर्फ मक्कू को चोरी की मोबाइल फोन खरीदने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। प्रार्थी राहुल परिहार ने थाना डीडी नगर थाने में 30 मार्च को मोबाइल चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। घर के हाल से मोबाइल फोन चोरी हुआ था। वहीं दूसरी रिपोर्ट मोहित अग्रवाल ने थाना सरस्वती नगर में दर्ज करवाई थी। 23 मार्च को घर के अंदर से रात में दो मोबाइल फोन अज्ञात चोर चुरा कर ले गया था। पुलिस ने अज्ञात आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। एंटी क्राइम और साइबर यूनिट की टीम द्वारा फुटेज में दिख रहे लड़के की पहचान रामसागर पारा आजाद चौक निवासी अंकित मिश्रा के रूप में की गई, जांच में सीसीटीवी फुटेज देखने में सामने आया कि आरोपित अंकित मिश्रा चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपित को पकड़कर पूछताछ की गई। चोरी के मोबाइल के संबंध में पूछताछ करने पर उसने गौरव और मुकेश को मोबाइल बेचना बताया। पुलिस ने चोरी के नौ मोबाइल फोन जब्त किए।

गिरफ्तार आरोपितों में अंकित मिश्रा पुत्र सर्वेश मिश्रा (21) पता देशबंधु प्रेस के पास रामसागर पारा थाना आजाद चौक रायपुर, गौरव उर्फ नरेश अम्बवानी पुत्र स्व. सुरेश अम्बवानी (41) हरि हार्ड वेयर के पास रामकुंड आजाद चौक रायपुर और मुकेश साहू उर्फ मक्कू पुत्र दिलीप साहू (25) ग्राम कोर्रा भखारा जिला धमतरी शामिल हैं। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की कुल 09 नग मोबाइल फोन कीमती लगभग 1,35,000/- रुपये जब्त कर उनके विरूद्ध अग्रिम कार्रवाई की गई।

रायपुर में दिन दहाड़े उठाईगिरी

शारदा चौक में जलेबी खरीदने रुकी महिला को बातों में उलझाकर ठग लिए जेवर

रायपुर(ए)। शुक्रवार सुबह राजधानी में दिनदहाड़े उठाईगिरी की वारदात हुई। बदमाशों ने महिला को बातों में उलझाकर गहने ठग लिए। वारदात में आठ बदमाश शामिल थे। महिला की शिकायत पर गोलबाजार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना का पूरा सीसीटीवी सामने आया है। जिसके आधार पर पुलिस जांच कर रही। पुलिस को बाहरी गैंग की आशंका है।

गोलबाजार थाने में लक्ष्मी गुप्ता ने ठगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। महिला अमावस्या होने से जलेबी लेने शारदा चौक के पास भागीरथी होटल आई थी। भागरथी होटल से जलेबी खरीदकर स्कूटी की डिक्की में रख रही थी। उसी समय करीबन सुबह साढ़े आठ बजे एक लड़का पहुंचा। उसने देवी हास्पिटल का पता पूछा।

महिला ने जानकारी नहीं होने के कारण मना कर दिया। इसके बाद एक और लड़का आया। तभी पहले वाले ने दूसरे वाले से देवी हास्पिटल का पता पूछा। तब पहला लडका कुछ मंत्र पढ़ने लगा और दूसरा अपनी परेशानी उसे बताने लगा। महिला जब अपने गाड़ी की तरफजाने की कोशिश कर रही थी, तो बदमाशों ने दो मिनट रुकने के लिए कहा। रुकते ही मंत्र पढ़ने वाले ने कहा कि तुम्हारें लड़के के उपर भारी विपत्ति आने वाली है। महिला डर गई और विपत्ति यानी परेशानी के बारे में पूछने लगी। बदमाशों ने महिला को सोने के जेवर उतारकर अपने पर्स मे रख लेने को कहा। महिला ने जेवर उतार कर पर्स में रख लिए। बदमाश ने पर्स ले लिए। महिला जब तक अपनी गाड़ी लेने गई तब तक दोनों वहां से फरार हो गए।

25 दिन में पैसा दोगुना, झांसे में आई दंपत्ति ने गंवाए सात लाख रुपये

रायपुर। 25 दिनों में दोगुना पैसा कमाने के मोह में रायपुर की एक दंपत्ति ने लगभग सात लाख रुपये गंवा दिये। ठगी का आभास होने के बाद इन्होंने पुलिस से शिकायत की है। गंज पुलिस ने बताया कि नर्मदापारा में रहने वाली दिव्या आरती सिंह और उनके बिल्डर पति राजकुमार राठौर के साथ ठगी हुई। राजकुमार पहले कंस्ट्रक्शन का काम करते हैं। कोविड संक्रमण के कारण काम बंद हो गया।

एक दिन मोबाइल पर गौतम शाह नामक व्यक्ति ने आनलाइन ट्रेडिंग का ऑफर दिया। उसने कहा कि इसमें 25 दिनों में पैसा डबल हो जाता है। उसकी बातों में आकर और कम समय में दोगुना लाभ कमाने के मोह में दंपत्ति ने गौतम शाह द्वारा दिए गए बैंक अकाउंट नंबर पर पैसे डाल दिए गए। खाते में कई बार में पांच लाख रुपये डाले। ठग ने आवेदिका के पति के नाम से बीएसई नामक पोर्टल की आइडी और पासवर्ड दिया।

पोर्टल को जब लागइन कर देखा गया, जिसमें इंवेस्ट किए गए पांच लाख रुपये का प्रॉफिट नौ लाख 22 हजार 350 रुपये दिखाया। इसी बीच गौतम शाह ने फोन कर पुन: प्रॉफिट का लालच देकर कहा कि एक लाख 85 हजार रुपये जीएसटी एवं अन्य टैक्स देना पड़ेगा। दंपत्ति ने दो बार में एक लाख 85 हजार रुपये उसके खाते में डाल दिए। कुछ दिनों बाद वह फिर से अन्य टैक्स व जीएसटी के नाम पर और पैसों की मांग करने लगा। इसके बाद इन्हें ठगी का आभास हुआ। इस बीच इन्होंने लगभग सात लाख रुपये ठग के खाते में डाल दिया था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अपराध दर्ज कर लिया है।

खास - खबर

एनआर रत्नेश होंगे जोन क्रमांक 5 के आयुक्त, निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने प्रीति सिंह को हटाया

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त प्रकाश सर्वे ने एनआर रत्नेश राजस्व अधिकारी, राजस्व विभाग को जोन क्रमांक 5 में जोन आयुक्त का प्रभार दिया है, वही जोन क्रमांक 5 में जोन आयुक्त रही प्रीति सिंह को हटाकर उन्हें मुख्य कार्यालय में महत्वपूर्ण कार्यों का नोडल अधिकारी बनाया है। निगमायुक्त ने इसका आदेश जारी कर दिया है। उन्होंने प्रीति सिंह को मुख्य कार्यालय में डे एनयूएलएम, जनगणना शाखा, क्यूडीसी सर्वे एवं निर्वाचन, समस्त जोन क्षेत्र के गोधन/गौठान का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। निगम आयुक्त के आदेश जारी करते ही यह आदेश तत्काल रूप से प्रभावशील हो गया है। उल्लेखनीय है कि प्रीति सिंह जोन आयुक्त जोन क्रमांक 3 के रूप में भी कार्य कर चुकी है, एनआर रत्नेश रायपुर से स्थानांतरण पश्चात भिलाई में पदस्थ हुए हैं तथा राजस्व विभाग का कार्य संभाल रहे थे। आदेश मिलने के उपरांत एनआर रत्नेश ने जोन आयुक्त का कार्यभार जोन क्रमांक 5 में ग्रहण कर लिया है।

छत्तीसगढ़ कामधेनु विश्वविद्यालय में सेवानिवृतों को दी गई विदाई

दुर्ग। डॉ.सुशोवन राय प्राध्यापक एवं छत्तीसगढ़ कामधेनु विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के प्रथम अध्यक्ष, बीएल साहू सहायक वित्त अधिकारी एवं कृषि विज्ञान केंद्र, अंजोरा जफरुद्दीन पठान के सेवानिवृत्त होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. एनपी दक्षिणकर, कुलसचिव डा. आरके सोनवाने, अधिष्ठाता डॉ. एसके तिवारी, निदेशक शिक्षण डॉ. एसपी इंगोले, निदेशक विस्तार शिक्षा डॉ. आरपी तिवारी, निदेशक अनुसंधान डॉ. ओपी मिश्रा, डॉक्टर सुधीर उपरित प्राध्यापक, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ.संजय शाक्य, निदेशक जैव प्रौद्योगिकी डॉ.आर.सी. घोष ,निदेशक पंचगव्य अनुसंधान संस्थान डॉ.के.एम.कोले, निदेशक वन्य प्राणी संस्थान डॉ.एस.एल.अली, उपकुलसचिव डॉ.एम.के. गेंदले, कुलपति जी के निजी सहायक संजीव जैन, विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ.दिलीप चौधरी एवं पशुचिकित्सा महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारी गणों ने उनके अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण होने तथा सेवानिवृत्त होने पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

ग्राहक बनकर धनवंतरी मेडिकल में पहुंचे निगमायुक्त प्रकाश सर्वे

कम कीमत में अच्छी क्वालिटी का लोगों को मिल रहा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई में अब तक पांच धन्वंतरी मेडिकल स्टोर खुल चुके हैं, लोगों में मेडिकल के प्रति विश्वसनीयता बढ़ती जा रही है, कम कीमत में अच्छी क्वालिटी की दवाइयां इस योजना से मिल रही है। आज निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे अचानक ग्राहक बनकर धन्वंतरी मेडिकल स्टोर पहुंचे और उन्होंने मेडिकल स्टाफसे दवाइयों की उपलब्धता को लेकर चर्चा की।

उन्होंने मेडिकल दुकान में आए हुए ग्राहकों से भी बात की। ग्राहकों ने बताया कि कम कीमत पर अच्छी दवाइयां उपलब्ध हो रही है जिससे हम मेडिकल के रेगुलर ग्राहक बन गए हैं। लंबी बीमारी से जूझ रहे लोगों को दवाइयों की ज्यादा जरूरत होती है तथा उन्हें दवाइयों का सेवन प्रतिदिन भी करना पड़ता है ऐसे में धन्वंतरी मेडिकल योजना कारगर साबित हो रही है लोगों को पैसों की बचत हो रही है वही गुणवत्तापूर्ण दवाइयों का सेवन कर मरीज स्वस्थ हो रहे हैं। इधर जब से मेडिकल स्टोर्स भिलाई में खुले हैं लोग मेडिकल में पहुंचकर दवाइयां ले रहे हैं। दवाइयों के साथ ही मेडिकल स्टोर्स में अन्य जरूरी हर्बल प्रोडक्ट भी उपलब्ध है। वर्तमान में भिलाई में महिला मदर्स मार्केट पावर हाउस, शास्त्री मार्केट पावर हाउस, 18 नंबर रोड आंगनबाड़ी के पास, भगवा चौक कुरूद तथा सुपेला शास्त्री अस्पताल में धन्वंतरी के मेडिकल स्टोर्स संचालित है। मेडिकल स्टोर्स में प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग दवाइयां लेने पहुंच रहे हैं। प्रतिदिन ग्राहकी के मुताबिक हजारों रुपयों की बचत लोगों की हो रही है। अब तक की बचत की बात करें तो 49 लाख का फायदा लोगों को दवाई खरीदने से छूट के माध्यम से मिला है। 251 से अधिक प्रकार की दवाइयां मेडिकल स्टोर्स में उपलब्ध है।

लोगों की सुविधाओं को देखते हुए निगम के 4 जोन क्षेत्र में मेडिकल स्टोर्स संचालित हो रहे हैं। लोगों को स्वास्थ्य सुविधा की दिशा में लाभ प्रदान करने तथा कम आय वर्ग के लोगों के बजट को देखते हुए माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी ने धनवंतरी मेडिकल योजना लागू किया है।

महापौर नीरज पाल ने कहा कि शासन की इस योजना से स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार इजाफा हो रहा है, जहां पहले महंगी दरों पर दवाइयां खरीदनी होती थी अब वही दवाइयां सस्ती दरों पर धन्वंतरी मेडिकल स्टोर में 55त्न की छूट के साथ उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि हर वर्ग को इस योजना का लाभ मिल रहा है।

राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय ने केन्द्रीय इस्पात मंत्री से मुलाकात की

चिकित्सा सुविधाओं और अनुभवी चिकित्सको की कमी पर चर्चा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दिल्ली में राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय ने देश के केंद्रीय इस्पात मंत्री आर सी पी सिंह से उनके कार्यालय में मुलाकात की तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यरत कर्मचारी, सेवानिवृत कर्मचारी तथा भिलाई में निवासरत अन्य नागरिकों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।

सुश्री पांडेय ने मंत्री को जानकारी दी कि भिलाई सेक्टर-9 स्थित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय चिकित्सा के क्षेत्र में पूरे प्रदेश में अग्रणी संस्थान हुआ करता था। लेकिन विगत कुछ वर्षों से संयंत्र की उदासीनता के कारण इस संस्थान में न सिर्फ चिकित्सा सुविधाओं बल्किअनुभवी चिकित्सको की भी भारी कमी हो गयी है। सबसे बुरी स्थिति उन सेवानिवृत कर्मचारियों की है जिन्होंने अपना खून पसीना लगाकर इस संयंत्र के विकास में योगदान दिया है लेकिन भिलाई इस्पात संयंत्र का एकमात्र उच्च संस्थान आज जरूरत के वक्त के समय किसी भी प्रकार उनके काम नही आ रहा है। यह अत्यंत दुखद है कि ऐसे वृद्ध लोगों को आज दर दर भटकना पड़ रहा है उनकी यह समस्या किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को द्रवित कर देती है।

राष्ट्रीय तलवार बाजी में दुर्ग की बेटी वेदिका खुशी रावणा ने पाया कांस्य पदक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। 32 वी सीनियर नेशनल तालवार बाजी चैंपियनशिप पंजाब मैं आयोजित था जिसमें हमारे दुर्ग शहर की बेटी वेदिका खुशी रावणा पिता जीएस रावणा निवासी पांच बिल्डिंग दुर्ग के द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेकर दुर्ग शहर एवं छत्तीसगढ़ राज्य के लिए कांस्य पदक प्राप्त किया जोकि हमारे दुर्ग एवं छत्तीसगढ़ राज्य के लिए बहुत गौरव एवं सम्मान की बात है ।

वार्ड न. 29 की पार्षद गुड्डू बबिता यादव ने बताया कि जिसमें बशीर अहमद, इंडियन फेंसिंग एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ राज्य फेंसिंग एसोसिएशन के सेक्रेटरी भारतीय दासन , छत्तीसगढ़ फेंसिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष निखिल जामुलकर संयुक्त सचिव राम प्रताप गुप्ता छत्तीसगढ़ कोषाध्यक्ष जॉनसन सालोमन फेंसिंग कोच उमेश सिंह छत्तीसगढ़ फेंसिंग एसोसिएशन के कार्यकारिणी सदस्य के प्रयास एवं कड़ी मेहनत तथा योगदान के कारण वह कांस्य पदक प्राप्त करने में सफल रही। जिसके लिए दुर्ग शहर के सभी सम्मानित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिको के द्वारा बधाई प्रेषित किया गया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। जनप्रतिनिधि गण में विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, सभापति राजेश यादव एवं अन्य वार्ड पार्षद, संतोष मिश्रा महामंत्री हिंदू युवा मंच, कृष्णा यादव, सौरभ शर्मा, रिंकू शुक्ला, सोनू मानिकपुरी, संतोष राजपूत, ईश्वर राजपूत, तुलसी सोनी, दिनेश जैन, रवि ठाकुर, लाखन सिंह ,बबलू सिंह, दिनेश सीपी, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, प्रशांत चौधरी ,अभय दुबे ,गुड्डा मामा, सम्मिलित है।

बीएसपी ने उत्पादन के क्षेत्र में किया धमाकेदार प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों ने वित्त वर्ष 2021-22 के माह अप्रैल से मार्च अवधि में उत्पादन के नए रिकॉर्ड दर्ज कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। जिसमें फिनिष्ड स्टील, सेलेबल स्टील तथा डिस्पैच में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों ने भी इस वित्त वर्ष में उत्पादन के नए वार्षिक कीर्तिमान स्थापित करने में सफल हुए। इनमें शामिल हैं ओएचपी, आरएमपी-3, सिंटर प्लांट-3, ब्लास्ट फर्नेस-8, एसएमएस-3, प्लेट मिल तथा बीआरएम।

ओएचपी ने बनाये नये रिकॉर्ड

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ओर हैंडलिंग प्लांट (ओएचपी) ने अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 के अवधि में 1,99,68,792 टन मटेरियल हैंडलिंग का नया रिकॉर्ड दर्ज किया है। ओएचपी ने वर्ष 2019-20 में दर्ज 1,79,95,639 टन

मटेरियल हैंडलिंग के रिकॉर्ड ध्वस्त कर नया कीर्तिमान स्थापित करने में सफल हुआ है।

आरएमपी-3 ने बनाया कीर्तिमान

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की मॉडेक्स इकाई, आरएमपी-3 ने अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 अवधि में 4,05,154 टन का उत्पादन कर नया कीर्तिमान रचते हुए पिछले वर्ष 2020-21 के अप्रैल से मार्च अवधि में दर्ज सर्वश्रेष्ठ निष्पादन रिकॉर्ड 3,02,970 टन को ध्वस्त कर दिया है।

सिंटर प्लांट-3 ने किया श्रेष्ठ प्रदर्शन

संयंत्र के सिंटर प्लांट-3 ने अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 अवधि में 52,65,390 टन सिंटर उत्पादन कर वर्ष 2019-20 के अप्रैल से मार्च अवधि में दर्ज किए सर्वश्रेष्ठ निष्पादन रिकॉर्ड 48,90,191 टन सिंटर को ध्वस्त किया। इसी क्रम में दोनों सिंटर प्लाट्स ने मिलकर वित्त वर्ष 2021-22 के माह अप्रैल से मार्च अवधि में कुल 78,93,669 टन सिंटर उत्पादन करते हुए वर्ष 2010-11 के अप्रैल से मार्च अवधि में दर्ज किए 78,33,702 टन सिंटर उत्पादन रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नया कीर्तिमान रचा है। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की मॉडेक्स इकाई, ब्लास्ट फर्नेस-8 ने वित्त वर्ष 2021-22 के माह अप्रैल से मार्च अवधि में 24,74,422 टन हॉट मेटल उत्पादन कर पिछले वर्ष 2020-21 के अप्रैल से मार्च अवधि में दर्ज किए सर्वश्रेष्ठ निष्पादन रिकॉर्ड 24,54,015 टन हॉट मेटल को पछाड़ कर नया कीर्तिमान रचा है।

ग्रीष्म ऋतु में अब नहीं होना चाहिए एक भी शट डाउन - अरुण वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग शहरी क्षेत्र में नवीन एवं पुरानी पानी टंकियों को जोड़ने के कारण 31 मार्च एवं 1 अप्रैल को निगम के जल कर्म विभाग द्वारा पूर्व सूचना जारी कर लिए गए शट डाउन से आम जनता को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है।

वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एवं राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा को विभिन्न वार्ड के नागरिकों द्वारा लगातार शिकायत किए जाने पर विधायक वोरा महापौर धीरज बाकलीवाल, जल कार्य प्रभारी संजय कोहले एवं निगम के पूरे जल कार्य अमले के साथ 42 एमएलडी फ़िल्टर प्लांट पहुंचे। एवं पाइप लाइन जोड़ने के कार्य की स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि एक ही शट डाउन में सभी पेंडिंग कार्यों को पूरा कर लिया जाए। ग्रीष्म ऋतु के दौरान इसके बाद एक भी शट डाउन किसी भी कारण से नहीं किया जाना चाहिए।

पाइप लाइन जोड़ने का कार्य डबल शिफ्ट लगाकर आज ही पूरा किया जाए। पटरी पार क्षेत्र के साथ साथ सम्पूर्ण शहर में जल प्रदाय पर्याप्त मात्रा में करें। वैकल्पिक व्यवस्था हेतु अतिरिक्त टैंकरों की व्यवस्था करने के साथ ही मांग के अनुरूप जल्द से जल्द जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों ने बताया कि ग्रीष्मकाल में लोगों को पेयजल की परेशानी ना हो इसी कारण शट डाउन लेकर पानी टंकियों को जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। शाम तक निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित कर ली जाएगी। इस दौरान निगम अभियंता आर के जैन, राजेन्द्र धबाले, नारायण ठाकुर, एमआईसी भोला महोबिया, जय जोशी, मनदीप भाटिया, एल्डरमैन अंशुल पांडेय,अमित देवांगन, बिजेंद्र भारद्वाज मौजूद थे। गर्मी के दौरान भूजल स्तर कम होने एवं पम्प, वाल्व में खराबी आने के दौरान टैंकरों से लोगों को पेयजल आपूर्ति की जाती रही है जिसके लिए अब तक निगम में सिर्फएक ही ट्रैक्टर उपलब्ध था किन्तु अब 60 वार्डों में टैंकर सप्लाई के लिए विधायक वोरा की पहल पर दो नग अतिरिक्त ट्रैक्टर क्रय किया गया है।

जिसका विधायक वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। वोरा ने बताया कि बार बार खराब होने वाले मोटर पम्पों के स्थान पर नवीन पम्प एवं वाल्व की खरीदी के लिए 24 लाख 60 हजार की मांग खनिज न्यास निधि से की गई है जिसे आगामी बैठक में स्वीकृत कर लिया जाएगा। पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना हो इसका ध्यान रखना निगम का दायित्व है। सभी टैंकरों में लीकेज की रिपेयरिंग कराई जाए व नवीन टोंटी लगाई जाए ताकि शुद्ध जल की बर्बादी ना हो साथ ही पाइप लाइन व्यवस्था को सुदृढ बनाते हुए टैंकर मुक्त शहर की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास किया जाए।

जेसीबी लेकर तालाबों से कब्जा हटाने पहुंचा अमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। धमधा के शासकीय तालाबों को अतिक्रमणमुक्त करने की कार्रवाई का पहला चरण शुक्रवार से शुरु किया गया। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बृजेश सिंह क्षत्रीय के नेतृत्व में सरकारी अमला छह तालाबों पर में गया, जिन्हें लोगों ने पाटकर खेत बना दिया था। मौके पर खेत के चारों ओर जेसीबी से खोदकर गड्ढा किया गया। आज छह तालाबों पर अतिक्रण हटाने की कार्रवाई की गई। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। धमधा छै आगर छै कोरी तरिया के नाम से प्रसिद्ध था। इन्हें संरक्षित करने के निर्देश कलेक्टर सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे ने दिये हैं। जिस पर कार्रवाई करते हुए पहले सभी अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किया गया था। सुनवाई पूरी होने के बाद अब अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बृजेश सिंह क्षत्रीय के नेतृत्व में शुक्रवार को तालाबों के अतिक्रमण हटाने की शुरुआत की गई। स्वयं एसडीएम अपने अधिकारियों के साथ जेसीबी लेकर पहुंचे और छह तालाबों को कब्जा मुक्त किया गया। इन शासकीय तालाबों को खेत बना दिया गया था। पहले खेत का घेरा तोड़ा गया फिर मेड़ के किनारे-किनारे जेसीबी से गड्ढा किया गया, ताकि फिर से उन पर कब्जा न हो। इस दौरान अतिक्रमणकारियों ने कुछ विरोध भी किया, लेकिन प्रशासन ने शासकीय भूमि के कब्जे को हटाने की कार्रवाई नहीं रोकी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950